Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 57 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 10 अगस्त 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

स्वरुप का भान नहीं होने देने वाली कषाय है।

Hindrance Knows one's own form is passion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

शेख हसीना के बेटे ने कहा, मेरी मां ने प्रदर्शनकारियों पर गोली नहीं चलाने का दिया था आदेश

ढाका। बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों को दिए जा रहे 30 फीसद आरक्षण के मुद्दे पर हिंसक भीड़ की तोड़फोड़, आगजनी के बाद फैली हिंसा से घबराई बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देकर भारत आ गईं। इस बातचीत में वाजेद ने पश्चिमी देशों में सक्रिय बांग्लादेश के विरोधी समूहों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कुछ पश्चिमी समूह विरोध को भड़काते रहे, प्रदर्शनकारी पीएम आवास पर मार्च कर रहे थे और मेरी मां देश नहीं छोड़ना चाहती थी। मैंने उनसे बात की और उन्हें देश छोड़ने के लिए आश्वस्त किया। अगर वह ऐसा नहीं करतीं तो प्रदर्शनकारी उन्हें मार डालते। साथ ही उन्होंने साफ कर दिया कि बांग्लादेश में फैली हिंसा के बावजूद उनकी मां ने आदेश दिया था कि प्रदर्शनकारियों पर गोली नहीं चलाई जानी चाहिए।वह आगे कहते हैं, मेरी मां ने पुलिस और सेना को आदेश दिया था कि प्रदर्शनकारियों को नहीं मारना है।

अमेरिकी सेना ने यमन में दो हौथी ड्रोन और तीन मिसाइलें नष्ट की

सना। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि उसकी सेना ने पिछले 24 घंटों में यमन में हौथी के ठिकानों पर हमले किए हैं जिसमें दो ड्रोन, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और तीन एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों को नष्ट कर दिया गया है। सेंट्रल कमांड ने एक्स पर कहा, ये हथियार अमेरिकी और संयुक्त सेना बल के साथ-साथ इस क्षेत्र में मौजूद व्यापारिक जहाजों के लिए खतरा थे। उत्तरी यमन के ज्यादातर हिस्से पर हौथी ग्रुप का कब्जा है। हौथी ने हमलों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। हौथी ग्रुप ने एक बयान में कहा था कि उसने अदन की खाड़ी में दो अमेरिकी युद्धपोतों और लाल सागर में एक अन्य जहाज पर ड्रोन और मिसाइल से हमले किए थे। साथ ही दावा किया था कि ये हमले सटीक थे। अमेरिका ने हौथी के दावों पर कोई टिप्पणी नहीं की। पिछले साल नवंबर से हौथी ग्रुप गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए उन जहाजों को निशाना बना रहा है जिनके बारे में उसका दावा है कि वे इजरायल से जुड़े हैं।

दक्षिण कोरिया में पड़ रही भीषण गर्मी से 18 लोगों की मौत

सोल। दक्षिण कोरिया में लगातार गर्मी का प्रकोप जारी है। तापमान 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। इसके कारण अब तक अठारह लोगों की मौत हो चुकी है। गृह मंत्रालय के अनुसार 20 मई से गुरुवार तक कुल 1,907 लोग गर्मी से संबंधित बीमारियों से पीड़ित हुए हैं, और उनमें से 18 की मृत्यु हो गई। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान गर्मी से संबंधित रोगियों की संख्या 1,891 थी। इसमें 25 लोगों की मृत्यु हुई थी। इस गर्मी से अब तक 4,20,000 पशुधन मार गए, जिनमें 3,93,000 मुर्गियां शामिल थीं। मछली फार्मों में लगभग 4,30,000 मछलियां भी मरी हुई पाई गईं।

17 महीने बाद तिहाड़ जेल से रिहा हुए सिसोदिया, जेल से बाहर आकर कहा

निर्दोष लोगों को संविधान बचाएगा : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल से बाहर आए। दिल्ली आबकारी नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज उन्हें जमानत दे दी। जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। मनीष सिसोदिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि संविधान की ताकत की वजह से जमानत मिली है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि निर्दोष लोगों को संविधान बचाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसी संविधान की ताकत की बदौलत अरविंद केजरीवाल भी जेल से बाहर आएंगे। उन्होंने समर्थकों के बीच जबरदस्त तरीके से नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि जेल के तले टूटेंगे अरविंद केजरीवाल भी छूटेंगे। आप नेता ने कहा कि सुबह जब से ये आदेश आया है, मेरा रोम-रोम बाबा साहब का ऋणी महसूस कर रहा है। समझ नहीं आ रहा कि बाबा साहब का ये ऋण कैसे चुकाऊँगा। आप नेता ने कहा कि सुबह जब से ये आदेश आया है, मेरा रोम-रोम बाबा साहब का ऋणी महसूस कर रहा है। समझ नहीं आ रहा कि बाबा साहब का ये ऋण कैसे चुकाऊँगा। उन्होंने कहा कि मैं आपके प्यार, ईश्वर के आशीर्वाद और सत्य की शक्ति के कारण जेल से बाहर आया हूँ, और सबसे बड़ी बात, बाबासाहेब का सपना है कि अगर कोई तानाशाह सरकार सत्ता में आती है और तानाशाही कानून बनाकर विपक्षी नेताओं को सलाखों के पीछे डालती है, तो इस देश का संविधान उनकी रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि संविधान की इसी

शक्ति से अरविंद केजरीवाल भी जेल से बाहर आएंगे।इससे पहले आज ही उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली की आबकारी नीतिमें कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया को जमानत दी और। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि सिसोदिया 17 माह से हिरासत में हैं और अभी तक मामले की सुनवाई शुरू नहीं हुई है जिससे वह शीघ्र सुनवाई के अधिकार से वंचित हुए हैं। पीठ ने कहा कि इन मामलों में मनीष सिसोदिया को जमानत के लिए निचली अदालत भेजना ठीक नहीं होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि वक्त आ गया है कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय इस बात को समझें कि जमानत नियम है और जेल अपवाद।जेल से बाहर आने के बाद मनीष सिसोदिया भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों की संविधान बचाएगा। तानाशाही सरकार से संविधान बचाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही केजरीवाल भी बाहर आएंगे।आज मुझे संविधान की ताकत से जमानत मिली। सुप्रीम कोर्ट का दिल से धन्यवाद करता हूं। 17 महीने से तिहाड़ जेल में बंद मनीष सिसोदिया शाम करीब 6.50 बजे बाहर आए। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्हें लेने के लिए राज्यसभा सांसद संजय सिंह और मंत्री आतिशी भी पहुंचीं।

ईडी ने मनीष सिसोदिया को क्यों गिरफ्तार किया था?

दरअसल, सिसोदिया शराब विक्रेताओं को रिश्वत देने के आरोपों का सामना कर रहे थे। ईडी द्वारा लगाए गए आरोप धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत हैं। इसके अलावा, सीबीआई ने सिसोदिया पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत रिश्वत लेने का आरोप लगाया था। मार्च 2023 में सिसोदिया की गिरफ्तारी से पहले ईडी ने उनसे तिहाड़ जेल में दो दिन तक पूछताछ की थी। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट से सिसोदिया से पूछताछ करने की इजाजत मांगी थी। पूछताछ के दौरान अधिकारियों ने सिसोदिया से शराब नीति में बदलाव के कारणों के बारे में पूछा। साथ ही उनसे इस मामले में ली गई रिश्वत के बारे में भी सवाल किए गए।

अरशद की मां का बयान

नीरज मेरे बेटे की तरह है उसके लिए दुआ मांगी

पेरिस। मां का प्यार दुनिया की सबसे गहरी और शक्तिशाली ताकतों में से एक है। गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में पाकिस्तान के अरशद नदीम के स्वर्ण और नीरज चोपड़ा के रजत जीतने के बाद दोनों की मां ने एक उदाहरण स्थापित किया है। उन्होंने उदाहरण स्थापित किया कि एक मां अपने बेटे की जीत का जश्न तो मनाती ही है, साथ ही प्रतिद्वंद्वी के लिए भी सर्वश्रेष्ठ की कामना करती है, खासकर तब जब दोनों अच्छे दोस्त भी हों। अरशद नदीम की मां ने पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक के फाइनल में अपने बेटे के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक का

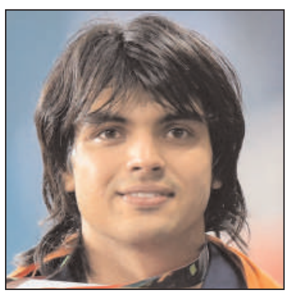

जश्न मनाया। वहीं, नीरज की मां सरोज ने कहा कि अरशद भी उनके बेटे की तरह हैं और वह उनके लिए खुश हैं। अब अरशद की मां की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। अरशद की मां ने कहा है कि वह नीरज को अरशद की तरह अपने बेटे के रूप में देखती हैं।

कोलकाता में विक्टोरिया मेमोरियल हॉल के बाहर, अशांति के बीच बांग्लादेश में शांति और सद्भाव के लिए मोमबत्ती जलाते लोग........

विनेश के समर्थन में आए सचिन

पहलवान फोगाट को रजत पदक का हकदार बताया..

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर महिला पहलवान विनेश फोगाट के समर्थन में आए हैं। विनेश को पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बाद वजन ज्यादा होने के कारण अयोग्य करार दिया गया था। विनेश ने फाइनल में पहुंचकर देश के लिए रजत पदक कर दिया था, लेकिन उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना था। हालांकि, मैच से पहले ही उन्हें अयोग्य करार दिया गया। विनश ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाया है। सचिन ने विनेश को अयोग्य करार देने की

आलोचना करते हुए इस पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया। तेंदुलकर ने कहा कि खेलों में नियमों पर समय-समय पर गौर किया जाना चाहिए। उन्होंने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया, हर खेल के कुछ नियम होते हैं ।

सीएए के तहत नागरिकता के आवेदकों को आ रहीं दिक्कतें

जरूरी दस्तावेजों पर सरकार ने जारी किया स्पष्टीकरण-शाह....

नई दिल्ली/ एजेंसी

सरकार ने शुक्रवार को संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के तहत जारी नियमों पर स्पष्टीकरण जारी किया। सीएए के तहत अफगानिस्तान, बांग्लादेश या पाकिस्तान से आने वाले उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने घोषणा की कि केंद्र या राज्य सरकारों या भारत में अर्ध न्यायिक निकाय की ओर से जारी जारी ऐसा कोई भी दस्तावेज स्वीकार किया जाएगा, जो यह साबित करता है कि माता-पिता, दादा-दादी या परदादा-परदादी तीनों देशों में से किसी

एक के नागरिक हैं या थे। गृह मंत्रालय का स्पष्टी करण नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के तहत भारतीय नागरिकता की मांग करने वाले कई आवेदकों को 2024 के नागरिकता नियमों के एक विशेष हिस्से में आ रही दिक्कतों के बाद आया है। नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के पहले के प्रावधान में कहा गया है कि कोई भी दस्तावेज जो दिखाता है कि आवेदक के माता-पिता या दादा-दादी या परदादा-परदादी तीन देशों में से किसी एक यानी अफगानिस्तान या बांग्लादेश या पाकिस्तान के नागरिक हैं या थे। गृह मंत्रालय ने अपने ताजा स्पष्टीकरण में कहा यह स्पष्ट किया जाता है कि अनुसूची-1ए के क्रम संख्या 8 के तहत दस्तावेजों में केंद्र सरकार/राज्य सरकार/भारत में किसी भी न्यायिक या अर्ध न्यायिक निकाय द्वारा जारी कोई भी दस्तावेज शामिल हो सकता है, जैसे कि भूमि रिकॉर्ड, न्यायिक आदेश आदि।

भूकंप के झटकों से जापान में दहशत, सुनामी का अलर्ट जारी

टोक्यो। जापान के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र के मियाज़ाकी प्रांत और अन्य क्षेत्रों में गुरुवार को भूंकप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.1 मापी गई। कोच्चि, मियाज़ाकी, एहिमे, ओइता और कागोशिमा प्रान्तों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। पहले जेएमए ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार 4ः43 बजे आया। भूकंप की तीव्रता मियाज़ाकी प्रांत के पास जापानी भूकंपीय तीव्रता 6 से कम थी। बाद में इसकी तीव्रता संशोधित कर 7.1 कर दी गई। भूकंप में किसी भी प्रकार की जान हानि या भारी विनाश की खबर सामने नहीं आई है। बता दें कि इससे पहले 22 जुलाई को जापान की राजधानी टोक्यो के उत्तर-पूर्व में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

राहुल गांधी से अनुराग ठाकुर का सवाल

बांग्लादेशी हिंदुओं पर क्यों नहीं निकलती आवाज-मंत्री अनुराग

नई दिल्ली/ एजेंसी

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बांग्लादेश में नवगठित अंतरिम सरकार को दिए गए बधाई संदेशों में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का उल्लेख न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। ठाकुर ने सवाल किया कि हिंदू अल्पसंख्यकों के मुद्दे को संबोधित करने में उनकी अनिच्छा क्या है भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा के मुद्दे को उठाने में विफल रहने का आरोप

लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी को गाजा की चिंता तो है, मगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर बोलने में इनके होंठ सिल जाते हैं। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है? उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि दुर्भाग्य से, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने अंतरिम बांग्लादेशी सरकार को बधाई देने वाले अपने ट्वीट में, बांग्लादेश में हिंदू या अल्पसंख्यकों के संरक्षण का मुद्दा नहीं उठाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बांग्लादेश में नवगठित अंतरिम सरकार को दिए गए बधाई संदेशों में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का उल्लेख न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। ठाकुर ने सवाल किया, हिंदू अल्पसंख्यकों के मुद्दे को संबोधित करने में उनकी अनिच्छा क्या है? उन्होंने कहा कि वे गाजा में हिंसा पर बोलते हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों पर चुप रहते हैं।

जगदीप और जया बच्चन के बीच विवाद

सभापति के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है...

नई दिल्ली/एजेंसी

राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ और जया बच्चन के बीच शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. राज्यसभा सभापति के खिलाफविपक्ष अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है.जया बच्चन ने कहा, मैंने सभापति के टोन को लेकर आपत्ति जताई. हम स्कूल जाने वाले बच्चे नहीं हैं. हममें से कुछ वरिष्ठ नागरिक हैं. मैं उनके बोलने के लहजे से परेशान थी और खासकर जब विपक्ष के नेता बोलने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने माइक बंद कर दिया. आप यह कैसे कर सकते हैं? आपको विपक्ष के नेता को बोलने देना चाहिए.जया बच्चन ने आगे कहा, मेरा मतलब है कि हर बार असंसदीय शब्दों का प्रयोग करना, जो मैं यहां सबके सामने नहीं कहना चाहती. तुम उपद्रवी हो, 'बुद्धिहीन' हो, ये कहा जाता है. उन्होंने कहा कि आप सेलिब्रिटी हो सकते हैं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता. मैं उनसे परवाह करने के लिए नहीं कह रही हूं. मैं कह रही हूं कि मैं संसद की सदस्य हूं. यह मेरा पांचवां कार्यकाल है. मैं जानती हूं कि मैं क्या कह रही हूं. आजकल संसद में जिस तरह से बातें कही जा रही हैं, पहले कभी किसी ने नहीं बोलीं. मुझे माफी चाहिए. कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, परंपरा रही है कि जब सदन के नेता या विपक्ष के नेता, जो कि एक संवैधानिक पद है, बोलने के लिए खड़े होते हैं तो दोनों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए. मगर इसका पालन नहीं किया जा रहा है. घनश्याम तिवारी ने सदन में ऐसी भाषा और लहजे का इस्तेमाल किया है, जिसमें गरिमा का अभाव है. इसके बाद उन्होंने अपनी

गलती स्वीकार की लेकिन व्यक्तिगत तौर पर. हम मांग करते हैं कि चूंकि घटना सदन में हुई, इसलिए उन्हें सदन में अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए. जया बच्चन जो सबसे वरिष्ठ सदस्य हैं, उन्होंने भी यही बात कही है और हम सभी उनके साथ खड़े हैं.राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के जरिए जया अमिताभ बच्चन कहे जाने पर जया बच्चन नाराज हो गईं. उन्होंने कहा कि सभापति जी आपकी ये टोन मुझे स्वीकार नहीं है. सभापति द्वारा जया बच्चन के साथ कथित दुर्व्यवहार से नाराज होकर विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया. वहीं, अब स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा सदन में विपक्ष के आचरण पर निंदा प्रस्ताव लेकर आए हैं.विपक्ष के राज्यसभा सांसद भाजपा सांसद घनश्याम तिवाड़ी की ओर से विपक्ष के नेता के बारे में की गई टिप्पणी को हटाने की मांग कर रहे थे. इस बीच सपा सांसद जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ की टिप्पणी के लहजे पर सवाल उठाया. सभापति ने जया बच्चन की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें स्कूली शिक्षा नहीं चाहिए. वह किसी स्क्रिप्ट के अनुसार नहीं चलते हैं और उनकी अपनी स्क्रिप्ट है. इस पर विपक्षी सदस्यों ने राज्यसभा से वाकआउट कर दिया. विपक्षी सांसदों के वाकआउट करने पर सभापति ने भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष संसद छोड़ रहा है,

लोकसभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित

लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। संसद का मौजूदा सत्र 12 अगस्त को समाप्त होने वाला था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया। वहीं आज ही राज्यसभा की कार्यवाही भी अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई है। इससे पहले ओम बिरला ने कहा कि सदन की उत्पादकता 130 प्रतिशत से अधिक रही। इस सत्र के दौरान सदन ने वित्त विधेयक, 2024 और विनियोग विधेयक, 2024 सहित कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए – जो केंद्रीय बजट के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्त, जम्मू और कश्मीर विनियोग विधेयक, 2024 और भारतीय विमान विधेयक, 2024 पारित किए गए चार विधेयकों में से थे। सत्र में वक्फअधिनियम, 1995 में संशोधन के लिए एक विधेयक भी पेश किया गया, जिसे बाद में इसके प्रावधानों पर विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच संसद की एक संयुक्त समिति को भेज दिया गया।

मन को तैयार करो अब कुछ नया करना है उदगार : मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। मन को तैयार करो अब कुछ नया करना है उपरोक्त उदगार मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज ने प्रात:कालीन धर्म सभा में व्यक्त किये उन्होंने कहा कि चातुर्मास का उद्देश्य पाप की प्रवत्तियों से हटाकर उनकी मनोवृत्ति को अच्छाई की ओर ले जाना है, जिस कार्य में रूचि बड़ जाती है,उसमें रुचि जग जाती है,जिस कार्य से अरुचि हो जाती है वंहा से मन हट जाता है अपनी रुचि किस और जा रही है धर्म की ओर या अधर्म की ओर? अपना रिपोर्ट कार्ड खुद बनाइये और देखिये कि इस चातुर्मास में आपके अंदर परिवर्तन आ रहा है, या नहीं यदि परिवर्तन आ रहा है,तो यह बात दूसरों को बताइये अच्छे लोगों को जंहा मुखरित होना चाहिये बंहा वह मौन हो जाते है, इसीलिये समाज में बुराइयाँ अपनी जड़े फैलाती है मुनि श्री ने कहा कि कुछ लोग कहते है कि इतने मंदिर और इतनी बेदी और इतनी प्रतिमाएं क्यों विराजमान की जाती है? का जबाब देते हुये मुनि श्री ने कहा कि जिससे आप प्रेम करते हो उसकी फोटू कयी ऐंगल से खींचते हो और उन फोटूओं को सहज कर एल्वम में सजाकर रखते हो, उसी प्रकार जब किसी को देव धर्म और गुरु से प्रीती हो जाती है तो उसका मन संसार की बाहरी प्रवत्तियों में नही लगता उन्होंने कहा कि अच्छाई के प्रति रुचि जगाइये जिसके जीवन मे यह चरितार्थ होंने लगता है उसका ही जीवन रूपांतरित हो जाता है,जब जब भी रुची घटे तो तुरंत उसे गुरु के पास आकर री चार्ज करो उन्होंने कहा कि यदि आपकी रुचि में परिवर्तन आ रहा है,तो में समझूंगा मेरा समझाना और आपका आना सार्थक हो रहा है।आने बाली 11 अगस्त रविवार को जैन धर्म के 23 बे तीर्थंकर भगवान पारसनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक है,पहले तो यह कार्यक्रम श्री सम्मेद शिखर जी में होता था लेकिन इस वर्ष का अवसर इंदौर बालों को मिला है कमेटी द्वारा कार्यक्रम तैयार किया गया हें, रविवार है छुट्टी का दिन भी है सभी लोग स परिवार रूचि के साथ भाग लीजिये यही मेरा मंगल आशीर्वाद है। धर्म प्रभावना समिती के मीडिया प्रभारी राहुल जैन एवं प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया रविवार को मोहता भवन में प्रात: 6.30 से बाल ब्र. अशोक भैया जी एवं अभय भैयाजी के मार्ग निर्देशन में मंगलाष्टक के साथ अभिषेक एवं शांतिधारा मुनि श्री के मुखारविंद से संपन्न होगी तत्पश्चात 7 बजे से भगवान पार्श्वनाथ की संगीतमय पूजन होगी, सभी महिला मंडल गणवेश में पधारें एवं पूजा की दृव्य सजा कर लाऐं इस अबसर पर पाठशाला के बच्चों की ओर से एक लाडू सजाओ प्रतियोगिता रखी गई है जिसमें सभी पाठशालाओं के बच्चे अपने अपने घर से लाडू को सजाकर लाऐंगे कमेटी द्वारा श्रैष्ठ साज सज्जा को पुरुषकृत किया जाऐगा, एवं बच्चो के द्वारा वह लाडू चढ़ाया जायेंगा। तत्पश्चात गुरुदेव की मंगल देशना होगी एवं मुनिसंघ की आहार चर्या संपन्न होगी। दोपहर 3:30 बजे से 5:30 बजे तक दो घटे का विशेष सत्र युवाओं के लिये होगा जिसमें मुनिश्री के द्वारा सभी युवक युवतियों को मार्गदर्शन दिया जाऐगा जिसमें वह अपनी जिज्ञासा को भी रख कर मुनि श्री से सीधे संवाद कर मार्गदर्शन ले सकते है। इसी क्रम में सांयकाल 6 बजे से7:20 तक विश्वप्रसिद्ध शंकासमाधान का कार्यक्रम होगा। धर्म प्रभावना समिति सकल दि. जैन समाज इंदौर आप सभी से निवेदन करती है कि उपरोक्त कार्यक्रम में अपने परिवार तथा मित्रो सहित पधारिये।

सिंटू जैन बने हरिहर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय समिति के अध्यक्ष

गोबरा नवापारा (विश्व परिवार)। नगर के युवा नेता व पूर्व पार्षद भारतीय जनता युवा मोर्चा के मण्डल महामंत्री सिंटू सौरभ जैन को हरिहर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है द्य पार्टी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए विभिन्न सराहनीय कार्यों एवं बाल दायित्वों का सफलता पूर्वक निर्वाह को देखते हुए अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू की अनुशंसा पर सिंटू जैन को शासकीय हरिहर स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी उत्कृष्ट विद्यालय का अध्यक्ष बनाया गया है द्य अध्यक्ष नियुक्त होने पर उन्होंने क्षेत्रीय विधायक इंद्रकुमार का आभार प्रकट किया वही आगे उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नगर के इस विद्यालय के लिए जो भी सकारात्मक कार्य हो सके उन्ही उद्देश्यों को लेकर शासकीय हरिहर स्वामी आत्मानंद विद्यालय गोबरा नवापारा को एक नई पहचान दिलाने का भरसक प्रयास किया जाएगा द्यसिंटू जैन के अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओंऔर उनके समर्थकों ने बधाई दी है ।

प्रेस क्लब में आयोजत हुआ सीपीआर डेमोस्ट्रेशन व अवेयरनेस प्रोग्राम

रायपुर (विश्व परिवार)। पिछले कुछ समय से हार्ट अटैक के मामले लगातार बढ़े हैं। आज किसी भी उम्र के व्यक्ति को हार्ट अटैक आ रहा है। बीते दिनों दिल्ली में एक बुजुर्ग को हार्ट अटैक आया तो मौके पर मौजूद महिला डॉक्टर ने सीपीआर देकर जान बचाई थी। यह वीडियो बहुत वायरल हुआ था। इस वीडियो से यह स्पष्ट है कि अगर हम सीपीआर देना जानते हैं तो व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। इसे देखते हुए रायपुर प्रेस क्लब एवं कार्डियोलॉजी विभाग एडवांस कार्डियक इन्स्टीट्यूट, पं जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में अज्ज रायपुर प्रेस क्लब में सीपीआर डेमोस्ट्रेशन अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। डॉक्टर्स की विशेष टीम द्वारा त्वरति सीपीआरका उपयोग कैसे किया जाए इसकी जानकारी दी। यह सीपीआर डेमोस्ट्रेशन का आयोजन प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर एवं पदाधिकारियों के नेतृत में किया गया। सीपीआर डेमोस्ट्रेशन का यह अवेयरनेस प्रोग्राम पत्रकार साथियों के लिए काफी लाभप्रद साबित हो सकता है। अधिकांश जगहों पर कवरेज के दौरान पत्रकार मौजूद रहते हैं। इसलिए पत्रकार साथी इस प्रक्रिया को समझकर दूसरों की जान बचाने में सहभागी बन सकते हैं।

आपको बता दे की सीपीआर का मतलब है कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन। यह भी एक तरह की प्राथमिक चिकित्सा यानी फर्स्ट एड है। जब किसी पीड़ित को सांस लेने में दिक्कत हो या फिर वो सांस न ले पा रहा हो और बेहोश जो जाए तो सीपीआर से उसकी जान बचाई जा सकती है। बिजली का झटका लगने पर, पानी में डूबने पर और दम घुटने पर सीपीआर से पीड़ित को आराम पहुंचाया जा सकता है। हार्ट अटैक यानी दिल का दौरा पड़ने पर तो सबसे पहले और समय पर सीपीआर दे दिया जाय तो पीड़ित की जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

मुख्यमंत्री श्री साय तुषार साहू के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए

रायपुर (विश्व परिवार)।। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बेमेतरा के नयापारा में तुषार साहू के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने तुषार साहू को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाए दी। उन्होंने ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि हम सब दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े हैं, इस कठिन समय में हम सब को धैर्य बनाए रखना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तुषार साहू एक होनहार युवा थे। समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रूप से उनकी भागीदारी रहती थी। किसी भी कार्य को वह हमेशा समर्पण और सेवा भाव से करते थे। उनकी कमी हम सब को खलेगी। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी श्रद्धांजलि दी और परिवारजनों से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त की। इसी कड़ी में आगे कहा की तुषार साहू एक होनहार युवा थे। समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रूप से उनकी भागीदारी रहती थी। किसी भी कार्य को वह हमेशा समर्पण और सेवा भाव से करते थे। उनकी कमी हम सब को खलेगी। बता दे की तुषार साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव के भांजे थे। विगत 4 अगस्त को उनकी कवर्धा ज़िले के बोड़ला स्थित रानीदहरा जलप्रपात में नहाने के दौरान डूबने से मृत्यु हो गई थी।

जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरु नहीं मुनि श्री नियमसागर जी

विदिशा (विश्व परिवार)। जिंदगी में आत्मकल्याण के मार्ग को स्वं नहीं खोज सकते मुक्तदशा को प्राप्त करने के लिये किसी मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है,कहा भी गया है जिसके जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरु नहीं उपरोक्त उदगार निर्यापक श्रमण मुनि श्री नियमसागर जी महाराज ने शीतलधाम विदिशा में प्रात:कालीन प्रवचन सभा में व्यक्त किये उन्होंने कहा कि जब जीव का जन्म होता है, तो माता पिता का सहारा मिलता है और वह प्रथम गुरु होते है, जो आपको निरक्षर से साक्षर बनाते है शैशव अवस्था में एक मां ही है जो अपने बच्चे को सम्हालती है इसलिये वह प्रथम गुरु कहलाती है।उन्होंने कहा कि मां का यह कर्तव्य मात्र मनुष्यों में ही नहीं पाया जाता बल्कि त्रियंच पशु पक्षियों में भी पाया जाता है,जो बोल नहीं पाते फिर भी वह अपनी संतान को शिक्षा देते है और शैशवावस्था से लेकर बाल्यावस्था प्रोणावस्था, वृद्धावस्था तथा तथा मरणासन्न अवस्था में भी एक मां अपने बच्चे का साथ नहीं छोड़ती एक हिरणी भी अपने बच्चे की रक्षा शेर से करती है,इसी प्रकार जब संसार अबस्था से यह जीव जब मुनि अबस्था में आ जाता है, तो गुरु अपने शिष्य की मां के समान उसके शिष्यत्व की रक्षा करता है, मुनि श्री ने कहा कि एक शिष्य को शिष्यत्व की तथा गुरु को गुरुत्व की रक्षा करना पड़ती है, मुनि श्री ने कहा कि जब बच्चा छोटा होता है,तो वह जानता ही नहीं कि कौनसा निमित्त हांनी कारक है। उदाहरण देते हुये कहा कि मां ने बच्चे को जेबर का डिब्बा देते हुये कहा कि जा यह उनको दे आ बेटा तो उनको का अर्थ जानता ही नहीं था क्यों कि मां ने कभी सामान्य से उनको का अर्थ समझाया ही नहीं था और बेटा चलता है वह जेबर का डिब्बा किसी ओर को दे आता है और जब पिता घर आकर पूंछता है कि आपने जेबर का डिब्बा पहुंचाया ही नहीं यह तो बड़ा भारी नुकसान हो गया तब यह बात मां को समझ आती है कि सामान्य से बच्चों को शव्दों का सही सही अर्थ भी बताना चाहिये मुनि श्री ने कहा कि भगवान के पास तो अथाह ज्ञान है, जिस ज्ञान से हम सामान्य से विशेष की ओर बड़ते है वह विशेषज्ञान कहलाता है। मां जेबर का डिब्बा जाने पर रो रही है यदि मेंने बेटे को सामान्य ज्ञान के साथ विशेष ज्ञान भी दिया होता कि उनको अर्थात अपने पिता को दे आओ तो यह बड़ा नुकसान नहीं होता मुनि श्री ने कहा कि शास्त्रों को अकेले पड़ने से ज्ञान नहीं आता उसके शब्दों के विशेष अर्थ को भी समझना आबश्यक है यदि सामान्य शब्दों के अर्थ को नहीं समझा तो भारी नुकसान हो सकता है,जो स्वाध्याय के साथ स्वाध्याय के पांच अंग का पालन करता है वह कभी अस्पताल नहीं जाता। उपरोक्त जानकारी प्रवक्ता अविनाश जैन ने देते हुये बताया मुनिसंघ के प्रवचन प्रतिदिन 8:30 से शीतलधाम विदिशा में चल रहे है।

एसईसीएल की ओपन कास्ट माइन से हो रहे हादसों पर सांसद ने जताई चिंता

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में की लापरवाही के कारण होने जनता को होने वाली परेशानियों को देखते सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने शुक्रवार को लोकसभा में शून्यकाल में लोक महत्व का मुद्दा उठाया। बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि, छत्तीसगढ़ की स्श्वष्टरु ओपन कास्ट कोयला परियोजनाओं, खादानों में कोयले के खनन करने के बाद नियमानुसार उसे वापिस भरकर पुरानी स्थिति में लाना एवं उसके ऊपर वृक्षारोपण करने की बाध्यता है। लेकिन स्श्वष्टरु ने 50 से अधिक खदानों से कोयला तो निकाल लिया। रिक्लेमिनेषन के नाम पर अरबों रूपये खर्च भी किए जा चुके है। लेकिन उन्हें पुरानी स्थिति में नहीं लाया गया, न ही उनके ऊपर वृक्ष लगाए गए। जिसके कारण खदानों में पानी भरने एवं खुले रहने के कारण वहां लगातार दुर्घटनाएं होती रहती हैं। जिसमे बड़ी संख्या में ग्रामीणों और पशुओं की मौत भी हो रही है। साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। जिस कारण क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी, गुस्सा एवं भय का वातावरण बना हुआ है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कोयला मंत्रालय से दोषी अधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कारवाई और खुली खदानों के जल्द पुनर्वास की मांग की है।

प्रदेश की सरकार आदिवासी अधिकार, उनके विकास और संस्कृति की रक्षा एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्धः उपमुख्यमंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री श्री विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री श्री विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री श्री विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री श्री विजय शर्मा आज कबीरधाम जिले के आदिवासी एवं बैगा बहुल बोड़ला विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम तरेगाव जंगल के एकलव्य आर्दश आवसीय विद्यालय परिसर और ग्राम रेंगाखर में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी, वीर शहीद गुंडाधुर, शहीद वीर नारायण सिंह और धरती आबा बिरसा मुंडा के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित और दीप प्रज्जवलित कर किया गया। ग्राम तरेगांव जंगल में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा का आदिवासी परंपरा की विशेष पहचान फेटा (पगड़ी), कलगी, छिट और तिलक लगाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। उपमुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक धरोहर और उनके योगदान को सराहा। उन्होंने आदिवासी अधिकारों और उनके विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और आदिवासी संस्कृति की रक्षा और संवर्धन के लिए जोर दिया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज हम सब इस समाज के लोग विश्व आदिवासी दिवस पर एक साथ उपस्थित हुए है यह हमारे आदिवासी समाज के एकता का प्रतीक है। इसी तरह हम 15 नवंबर को धरती आबा बिरसा मुंडा के जयंती पर एक साथ मिलकर स्मरण करेंगे। उन्होंने इस क्षेत्र में समाज के प्रमुखों की प्रशंसा करते हुए बताया कि अपने समाज को एक जुट रख कर अपने समाज, अपनी परंपरा को बचाएं रखने का प्रयास करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश में संचालित सभी आश्रम छात्रावास में जनभागीदारी समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति में आश्रम छात्रावास में पढ़ने वाले बच्चों के पालक, जनप्रतिनिधि और बच्चों के माताएं शामिल होंगे। समिति के लिए सदस्यों का चयन प्रारंभ हो गया है। जनभागीदारी समिति आश्रम छात्रावास के व्यवस्थाओं देख रेख करेंगे। समिति यह सुनिश्चित करेगी कि बच्चों को सभी सुविधाएं उपलब्ध हो।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या: टीआरडी-आर-2024 - ई07 दिनांक : 05.08.2024

काम का नाम : रायपुर डिवीजन के एसएसई / टीआरडी / बालोद के अधिकार क्षेत्र के तहत मरोदा - दल्लीराजहारा सेक्शन की ओएचई रखरखाव गतिविधियों (कोर और नॉन- कोर) और एसएसई / ओएचई / भिलाई के अधिकार क्षेत्र के नॉन-कोर ओएचई रखरखाव गतिविधियों की 2 साल के लिए आउटसोर्सिंग।

निविदा मूल्य : Rs. 2,04,62,319/- **बीड सेक्युरेटी :** Rs. 2,52,300/- **निविदा प्रस्तुत करना :** 12:00 बजे तक दिनांक 05/09/2024 **निविदा खोलना :** 12:30 बजे दिनांक 05/09/2024

टेंडर दस्तावेज, पात्रता मानदंड और उपरोक्त कार्य के लिए पूर्ण विवरण के लिए कृपया वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी) / एसईसीआर रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें या डाउनलोड करें

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/ सम/क.वि

PR/R/TRD/AAA/104 **एसईसीआर रायपुर**

South East Central Railway @secrail

IEEE कलिंगा यूनिवर्सिटी स्टूडेंट ब्रांच ने ग्रामीण छात्रों को IEEE में अवसरों से परिचित कराने के लिए IOT प्रशिक्षण आयोजित किया

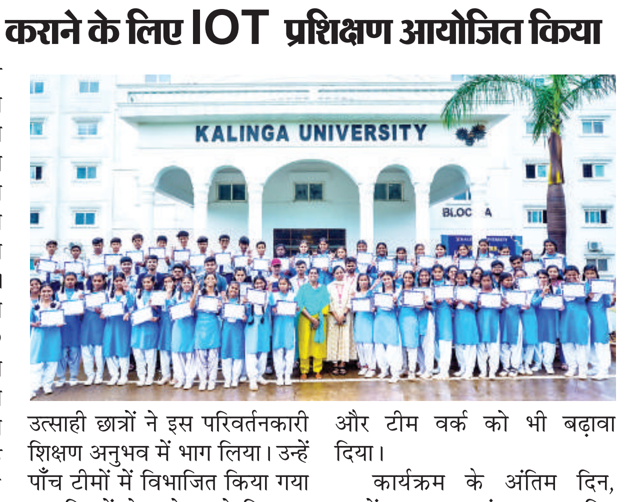

रायपुर। मध्य प्रदेश अनुभाग के अंतर्गत सबसे जीवंत शाखा के रूप में विख्यात द्व्श्वश्व कलिंगा यूनिवर्सिटी स्टूडेंट ब्रांच ने ग्रामीण छात्रों को में अवसरों से परिचित कराने शीर्षक से एक गहन व्यावहारिक द्व्श्वज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। द्व्श्वश्व स्ज्ञश्वरू अनुदान द्वारा प्रायोजित यह कार्यक्रम 5 से 9 अगस्त 2024 तक कलिंगा यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित किया गया। विशेषज्ञ और इस कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति डॉ. विजयलक्ष्मी बिरादर ने आकर्षक सत्रों का नेतृत्व किया, जिसमें छात्रों को इंटरनेट ऑफ थिंग्स की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराया गया और उन्हें से संबंधित परियोजनाओं के विकास के माध्यम से मार्गदर्शन किया गया। डॉ. अनीता वर्मा, श्री प्रथम, श्री अश्वन साहू, हेमंत साहू और छात्र स्वयंसेवकों ने व्यावहारिक सत्रों को संभालने में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम को ग्रामीण छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, ताकि उन्हें ऐसे कौशल से लैस किया जा सके जो क्षेत्रों में भविष्य के अवसरों के द्वार खोल सकें।

पाँच दिनों के दौरान, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राखी, नवा रायपुर के 50 उत्साही छात्रों ने इस परिवर्तनकारी शिक्षण अनुभव में भाग लिया। उन्हें पाँच टीमों में विभाजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक को दिए गए किट का उपयोग करके एक अनूठी परियोजना बनाने का काम सौंपा गया था। टीमों द्वारा विकसित परियोजनाओं में मेक्स मोबाइल, फोर्कलिफ्ट, स्नो स्वीपर, क्रेन और डॉबी जैसी नवीन रचनाएँ शामिल थीं।

इन परियोजनाओं पर काम करने के अलावा, छात्रों ने ब्लॉक-आधारित सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके बुनियादी प्रोग्रामिंग अवधारणाएँ भी सीखीं, जिससे वे स्मार्ट वॉच और तापमान और आर्द्रता निगरानी प्रणाली जैसे कार्यात्मक प्रोटोटाइप विकसित करने में सक्षम हुए। इस व्यावहारिक दृष्टिकोण ने न केवल द्व्श्वज्ञ की उनकी समझ को मजबूत किया बल्कि रचनात्मकता और टीम वर्क को भी बढ़ावा दिया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन, छात्रों का मूल्यांकन वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के माध्यम से किया गया, जो उनकी समझ और पाँच दिनों में उनके द्वारा प्राप्त ज्ञान का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। मूल्यांकन ने प्रशिक्षण की प्रभावशीलता को मापने में मदद की और छात्रों की सीखने की प्रगति को उजागर किया। कार्यक्रम के समापन पर, सभी प्रतिभागी छात्रों को उनकी कड़ी मेहनत और उपलब्धियों के सम्मान में प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस पहल ने न केवल छात्रों को नए तकनीकी कौशल से सशक्त बनाया, बल्कि उन्हें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में आगे के अवसरों का पता लगाने के लिए भी प्रेरित किया।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित खारून परिसर के अंतर्गत में से दुकानों **दुकान क्रमांक -02 में, डॉ श्री उषा पिल्लई पति श्री एन. आर जी पिल्लई को स्वत्तीय/एकमुश्त** आधार पर आबंटित/नामांतरण किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 17.04.2012 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त फ्लैट/भवन के विक्रय हेतु दिनांक 18.07.2024 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट/भवन **श्रीमती रजनी उपाध्याय पति श्री आशीष उपाध्याय** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना के अंतर्गत भवनों में से फ्लैट/भवन **क्रमांक -72/856, भू-तल में, श्री प्रफुल्ल प्रधान पिता श्री सागर प्रधान को स्वत्तीय/एकमुश्त** आधार पर आबंटित/नामांतरण किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 15.01.2013 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त फ्लैट/भवन के विक्रय हेतु दिनांक 02.07.2024 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट/भवन **श्री बलबीर कौर सन्धु पति श्री गुरपाल सिंह सन्धु** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वी मंज़िल,
प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुडगाँव, हरियाणा - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6

सार्वजनिक सूचना

{कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में}

सार्वजनिक नोटिस :ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2024-25/616 **दिनांक:** -23/07/2024

संदर्भ:

1.कम्पनी अधीनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (3) कम्पनियों का नाम **छत्तीसगढ** राज्य से हटाने के मामले में:

S No.	Work Item	CIN	Hindi
1	AA9290773	U01100CT2022PTC013188	वेविका प्लांट प्राइवेट लिमिटेड
2	AA9295353	U05000CT2019PTC009574	शक्स फिशरीज प्राइवेट लिमिटेड
3	AA9338052	U80220CT2011PTC022514	रचित एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रुप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना/अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है ।

3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं ।

हरिहर साहू
रजिस्ट्रार
प्रसंस्करण त्वरित कॉर्पोरेट निकास केंद्र

CBC 07123/11/0299/2425

ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र कार्यक्रम अंतर्गत जिले से 50 हजार रक्षा सूत्र भेजा गया सरहद पर

कोरबा(विश्व परिवार)। ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र कार्यक्रम का लक्ष्य जवानों को रक्षाबंधन के लिए राखी भेजना है। ताकि हर जवान के हाथों में रक्षाबंधन के दिन राखियां सजी रहे। इसी उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व सैनिकों ने छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों से राखियां जमा की है। इन राखियों को सेना मुख्यालय में दिया जाएगा। सेना मुख्यालय से यह राखियां देश के अलग-अलग हिस्सों में तैनात इंडियन आर्मी के जवान, एयर फोर्स, नेवी पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों को मुख्यालय से भेजी जाएगी। इसी कड़ी में कोरबा जिला से सिपाही रक्षा सूत्र संकलन कार्यक्रम के तहत जिला कोरबा की महिला मोर्चा एवं सभी राष्ट्रभक्त सामाजिक संगठनो द्वारा परशुराम भवन में कार्यक्रम आयोजित किया। जिसके मुख्य वक्ता महेंद्र सिंह राणा (पूर्व सैनिक), डी.के. सिंह (पूर्व सैनिक), देवेंद्र पांडे (जिला सहकारिता बैंक के पूर्व अध्यक्ष), डॉ. राजीव सिंह (भाजपा जिलाध्यक्ष), मंजू सिंह (प्रदेश कार्य समिति सदस्य), वैशाली रत्नपारखी (महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष) सामाजिक प्रमुख महिलाएं कामायनी दुबे, निधि तिवारी, एवं ब्राह्मण समाज, लायंस क्लब, सरस्वती शिक्षा संस्थान, रोशनी शिशु मंदिर, महिला मोर्चा की कोसाबाड़ी, बालको मंडल की बहने दुर्गा वाहिनी की बहने उपस्थित रही। सिपाही रक्षा सूत्र संकलन में कोरबा जिले से 50000 की संख्या में रक्षा सूत्र सरहद में रक्षा कर रहे सिपाही भाइयों के लिए भेजा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं पूर्व सैनिक महेंद्र सिंह राणा ने कहा कि सालों देश की सेवा की।

चोरी में असफल होने पर एटीएम मशीन ही उखाड़ ले गये चोर

बेमेतरा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के जेवरा में लगे एटीएम में चोरी करने पहुंचे चोंरो ने असफल होने पर एटीएम मशीन को ही चोरी कर ली। चोर मशीन को उखाड़कर अपने साथ ले गए। लगे एटीएम को चोरों ने पूरी तरह उखाड़ दिया है। गुरुवार सुबह जब स्थानीय लोग बैंक के पास से गुजरे तो एटीएम मशीन को गायब पाया। बैंक के बाहर लगे एटीएम का कांच टूटा हुआ था और मशीन अंदर से गायब थी। दरअसल मामला सहकारी केंद्रीय बैंक की जेवरा शाखा का है जहां लगे एटीएम को चोर उखाड़कर ले गये। गुरूवार को ग्रामीणों ने एटीएम गायब देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। बताया जा रहा है कि ुधवार रात को अज्ञात चोर बैंक परिसर में घुसे और जब वे एटीएम से पैसे निकालने में असफ्ल रहे, तो उन्होंने पूरी एटीएम मशीन को ही उखाड़ दिया और मौके से फ्रार हो गए। घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। बैंक अधिकारियों ने बताया कि एटीएम में रखी गई राशि का आकलन किया जा रहा है और जल्द ही चोरी के संबंध में जानकारी साझा की जाएगी।

तीन वार्डो में लगे जनसमस्या निवारण शिविर

कोरबा(विश्व परिवार)। नगर निगम कोरबा द्वारा अपने क्षेत्रांतर्गत आज भी 03 वार्डो में शिविर लगाए गए, इन सभी शिविरों में काफी संख्या में नागरिकगण अपनी समस्याएं व शिकायतें लेकर पहुंचे। स्वच्छता, स्ट्रीट लाईट, नल कनेक्शन, राशन कार्ड, आधार कार्ड व आयुष्मान कार्ड से जुड़ी समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया। वार्ड क्र. 04 में पार्षद सुरेन्द्रप्रताप जायसवाल, वार्ड क्र. 32 में पार्षद अजय गोंड़, वार्ड क्र. 52 में पार्षद प्रेमचंद ज्वाला पाण्डेय ने हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरित किए। निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने विभिन्न शिविरों का निरीक्षण किया, व्यवस्थाओं को देखा तथा आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों के दिए। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों के साथ-साथ नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में भी 27 जुलाई से आगामी 10 अगस्त तक जनसमस्या निवारण पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है, पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत वार्डो में शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में वार्ड क्र. 04 के.एन. कालेज के सामने सामुदायिक शेड, वार्ड क्र. 32 ओम फ्लैट के सामने सामुदायिक भवन, एवं वार्ड क्र. 52 सामुदायिक भवन फर्टीलाईजर बस्ती में में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में साफ-सफाई, स्ट्रीट लाईट मरम्मत, नल कनेक्शन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड से जुड़ी विभिन्न शिकायतों का त्वरित निराकरण किया गया, इन सभी शिविरों में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार दवाईयाँ उपलब्ध कराई गई। निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने विभिन्न शिविरों का दौरा किया, वहाँ की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए विभिन्न शिकायतों व समस्याओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली, तत्काल निराकृत होने वाली समस्याओं व शिकायतों का त्वरित निराकरण करने एवं अन्य आवेदनों पर प्रक्रियागत कार्यवाही सुनिश्चित करने के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। शिविर के दौरान वार्ड पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों ने शिविर को अपनी सहभागिता दी तथा आमजन की समस्याओं की जानकारी लेते हुए उनका निराकरण कराया। विभिन्न शिविरों में निगम के उपायुक्त बी.पी. त्रिवेदी, पवन वर्मा, जोन कमिश्नर ए.के. शर्मा, एम.एन. सरकार, विनोद शांडिल्य, लीलाधर पटेल, डॉ.संजय तिवारी सहित निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता दी तथा शिविर का कुशलतापूर्वक संचालन कराया।

पेड़ लगाबो पैसा कमाबो अभियान से महिलाये आर्थिक रूप से संबल

छुरिया(विश्व परिवार)। हरियाली बाहिनी अभियान के तहत टीपानगढ़ छुरिया में कार्यक्रम था जिसमे संजय अग्रवाल कलेक्टर राजनांदगांव,,पदम फूलबासन यादव अध्यक्ष मां बमलेश्वरी जनहितकारी समिति राजनांदगांव ,सुश्री सुरुचि सिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजनांदगांव,शिव कुमार देवांगन संयोजक हरियाली बाहिनी अभियान,, एम डी ठाकुर शामिल हुवे जिसमे कलेक्टर महोदय बोले की सामूहिक प्रयास से बड़े बड़े काम किए जा सकते है और पानी बचाने के लिए छोटे छोटे बांध बनाकर पानी को रोका जा सकता है,जिससे पानी का लेवल ऊपर आयेगा ,कलेक्टर ने हरियाली बहिनी के द्वारा घर से लगे बाड़ी में फ्लदार- पौधा रोपण मॉडल काफी अच्छा मॉडल है इससे सुरक्षा के साथ ही देखरेख अच्छी तरह से हो पायेगी उन्होने महिलाओं प्रेरित करते हुए कहा कि, नारी शक्ति को नशा मुक्ति के लिए आगे आने की आवश्यकता है। श्रीमती फुलबासन यादव ने महिलाओं की सभी घर कम से कम 10फ्लदार पौधा लगाएं जिससे परिवार को मुनाफ होगा कोरोना समय की बात किए उस समय अक्सीजन के लिए लोग तरसते रहे लेकिन आक्सीजन की व्यवस्था नहीं कर पाए और लोग मर गए इसलिए अधिक से अधिक पौधा लगाने के लिए प्रोत्साहित किए। सुरूचि सिंह ने हरियाली बहिनी के द्वारा पेड़ लगाबोन- पैसा कमाबोन अभियान से महिलाएं आर्थिक रूप से संबल होगी उन्होने आगे कहा कि जिला प्रशासन नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान में हरियाली बहिनी बड़ी भूमिका निभा रही है।

हायर सेकेण्डरी स्कूल में बच्चों को यातायात नियम, साइबर अपराध और गुड टच बैड टच के बारे में बताया गया

जटगा पुलिस ने स्कूल में सजग कोरबा के तहत जागरूकता अभियान चलाया

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक महोदय कोरबा श्री सिद्धार्थ तिवारी के दिशा निर्देशन में कोरबा ज़िले में सजग कोरबा के तहत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। थाना/चौकी प्रभारीगण के द्वारा उनके थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले स्कूल/कॉलेज में जाकर बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में चौकी जटगा के द्वारा हायर सेकेण्डरी स्कूल जटगा में बच्चों को सजग किया गया। बच्चों को सड़क दुर्घटनाओं की संख्या अधिक होने की बात बताते हुए लोगो को शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने एवं यातायात नियमों का पालन करने को कहाँ गया। हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करने एवं मालवाहक गाड़ियों में सवारी नहीं बैठाने के संबंध में भी बताया गया। वहाँ उपस्थित लोगो को डायल 112 एवं हाईवे में आपातकालीन डायल 1033 के बारे में जानकारी दिया गया। बैठक में नवीन क़ानून के बारे में जागरूक किया गया कि ये 1 जुलाई से लागू हुए है। उपस्थित बच्चों को गुड टच बैड टच के बारे में भी अवगत कराया गया। अभी के मौसम के बारे में बताया गया जिसमें बरसात के समय गाज गिरने से, जहरीले सांप बिच्छू के डसने, बारिश में उप नदी नाले में बहने, गंदे पानी के उपयोग करने एवं बरसाती बीमारियों से बचने के उपाय एवं त्रिकोण के बारे में बताया गया। इसके अतिरिक्त उपस्थित बच्चों को साइबर अपराध होने पर नजदीकी थाने या साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 में तुरंत फोन कर अपनी शिकायत दर्ज कारवाना है ,ऋरू संबंधी ठगी के संबंध में बच्चों को जागरूक किया गया, और सोशल मीडिया के दुष्परिणामों से अवगत कर जानकारी दिया गया।

कारखानों में तय मापदंडों का पालन नहीं, तेजी से बढ़ रहा प्रदूषण, हाईकोर्ट ने महाधिवक्ता से मांगा जवाब

बिलासपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में कारखानों की वजह प्रदूषण बढ़ रहा. इस पर प्रभावी रोक लगाने हाईकोर्ट में चार अलग-अलग जनहित याचिका लगाई गई है. हाईकोर्ट में पेश रिपोर्ट में राज्य शासन ने माना है कि प्रदेश में तकरीबन 60 ऐसे स्पंज आयरन और सीमेंट प्लांट हैं, जहां तय मानकों व मापदंडों का प्रयोग नहीं किया जा रहा है और औद्योगिक प्रदूषण तेजी से फैल रहा है. इस मामले में हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने महाधिवक्ता से जवाब मांगा है. जनहित याचिका की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी. हाईकोर्ट ने मामले में संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका के रूप में रजिस्टर्ड कराया है. सभी जनहित याचिकाओं पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में सुनवाई चल रही है. इस मामले में हाईकोर्ट ने एडवोकेट प्रतीक शर्मा और पीआर पाटनकर समेत 11 अधिवक्ताओं को न्याय मित्र नियुक्त किया है और उनसे प्रदेश की इन औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण के कारण हो रही परेशानी के बारे में जानकारी मंगाई थी. सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से महाधिवक्ता कार्यालय के विधि अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि राज्य में करीब ऐसे 60 स्पंज आयरन या सीमेंट प्लांट हैं , जहां प्रदूषण की शिकायतें आ रही है. मामले की गंभीरता को देखते हुए चीफ जस्टिस की डीविजन बेंच ने न्याय मित्रों को कोर्ट कमिश्नर बनाकर डाटा रिपोर्ट पेश करने कहा था. इसके बाद हुई सुनवाई में चीफ जस्टिस की डीविजन बेंच में सभी कोर्ट कमिश्नरों ने रिपोर्ट पेश कर दी थी. मामले की सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने स्वीकार किया कि राज्य में कई जगह संचालित प्लांट्स में जरूरी प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है. प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए शासन की योजना बन चुकी है, इसे लागू कराने में कुछ समय लगेगा. चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने महाधिवक्ता को जवाब पेश करने कहा है।

नक्शा बटांकन, किसान किताब वितरण सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लाएं तेजी : कलेक्टर

राजस्व अधिकारियों को त्रुटि सुधार के कार्यों को गंभीरता से प्रगति लाने के दिए निर्देश

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर अजीत वसंत ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में नक्शा बटांकन का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें। जिले में पदस्थ प्रत्येक पटवारी प्रतिदिन 25 खसरा, नक्शा बटांकन का कार्य पूर्ण करें। उनके कार्य प्रगति की सतत् मॉनिटरिंग तहसीलदार करें। कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं आने पर संबंधित पटवारी तहसीलदार के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता से प्रगति लाएं। आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सभी अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्य करें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री दिनेश नाग, श्री अनुपम तिवारी, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में नक्शा बटांकन में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी तहसीलदार को नक्शा बटांकन में शीघ्र प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। इस संबंध में प्रभारी आधिकारी भू अभिलेख को प्रत्येक तहसील की हल्कावार समीक्षा किए जाने के निर्देश दिए। प्रत्येक तहसीलदार को भुइयां में किसान किताब की प्रविष्टी हेतु आगामी 1 महीने में 10 प्रतिशत का लक्ष्य दिया गया। साथ ही साथ किसान किताब की प्रविष्टि में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने पर तहसीलदार भैंसमा, दीपका, कोरबा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कोटवारी भूमि/सेवा भूमि के लिए खसरे में अहस्तांतरणीय शब्द दर्ज करने हेतु सभी तहसीलदार को निर्देशित किया गया। त्रुटि सुधार के प्रकरणों में आगामी 10 दिवस में अपेक्षित प्रगति लाने हेतु सभी एसडीएम/तहसीलदार को निर्देश दिए।

चिट फंड ठगी मामले में पुलिस को मिली सफलता, छह साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर(विश्व परिवार)। पुलिस को चिट फंड ठगी के प्रकरण में बड़ी सफ्लता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश के भोपाल से बीते 6 वर्ष से फ्रार चल रहे इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अरुण वर्मा के खिलाफ बिलासपुर जिले के अलग-अलग थाने में सात मामले दर्ज थे और एक मामला सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में भी दर्ज था। दरअसल आरोपी करियर ड्रीम एजुकेशन एकेडमी के नाम से चिट फंड कंपनी बनकर ठगी करता था और उसने सैकड़ों लोगों से करीबन 10 करोड रुपए की ठगी को अंजाम दिया था घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी 6 वर्षों से फ्रार था जिले के एसपी ने आरोपी की सूचना देने पर इनाम की घोषणा भी की थी। फ्रार आरोपी देश भर में अलग-अलग शहरों में रहकर पुलिस को गुमराह करता रहा वर्तमान में वह राजस्थान के अलवर में रह रहा था और अपने परिवार को भोपाल में छिपा कर रखा था। इसी दौरान पुलिस ने भोपाल में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया और उसकी संपत्ति कुर्क कर आगे कार्रवाई में जुट गई है।

संक्षिप्त समाचार

महिला सरपंच पर लाखों के गबन का आरोप

बलौदाबाजार(विश्व परिवार)। सरपंच ईश्वरी साहू को छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 40(1) के प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है. सरपंच पर बिना पंचायत प्रस्ताव के 3 लाख 34 हजार 500 रुपये का आहरण करने का आरोप सिद्ध हुआ है. इसके साथ ही उन्हें छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 40(2) के तहत 6 वर्ष के लिए पंचायत अधिनियम के अधीन निर्वाचन और सहयोजन के लिए निरर्हित घोषित किया गया है. यह मामला जनपद पंचायत बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहतरा का है.जारी आदेशानुसार ग्राम पंचायत मोहतरा के सरपंच सचिव के विरुद्ध 14 वें एवं 15 वें वित्त की राशि का दुरूपयोग करने की शिकायत पर जनपद पंचायत बलौदाबाजार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जाँच दल गठित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें ग्राम पंचायत मोहतरा की सरपंच ईश्वरी साहु द्वारा ग्राम पंचायत में सार्वजनिक शौचालय निर्माण, अहाता निर्माण, गोठान में वर्मी शेड निर्माण, हैंडपंप मरम्मत, पेयजल, स्वच्छता कार्यक्रम कार्यों का भुगतान स्वयं और अपने पति तथा बिना पंचायत प्रस्ताव के 3 लाख 34 हजार 500 रूपये आहरण किया गया. जिस पर उक्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर एसडीएम द्वारा सरपंच ग्राम पंचायत मोहतरा ईश्वर साहू को छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 40 (1) के प्रावधानो के तहत तत्काल प्रभाव से पृथक कर दिया है।

हाथी ने महिला को कुचला

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के हरदीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत एसईसीएल के खदान प्रभावित ग्राम भिलाईबाज़ार, रलिया में एक भटके हुए हाथी के आ जाने से दहशत फैल गई है। हाथी हरदीबाजार के रास्ते रलिया-सरईपाली नर्सरी होते हुए सुबह करीब 5:30 बजे क्षेत्र में देखा गया। गांव में हाथी के आने की जानकारी सुबह-सुबह कुछ बाइक सवार ग्रामीणों को हुई तो उसे खदेड़ने के लिए पीछे लग गए। हाथी ग्राम रलिया के बाजार के पास बस्ती जाने वाले मुख्य मार्ग से गुजर रहा था कि उसका सामना महिला गायत्री राठौर उम्र 60 वर्ष है. वह सुबह 5 बजे शौच जाने के लिए घर से बाहर निकली थी. घर से बाहर कदम रखते ही सामने हाथी खड़ा था. महिला ने पलट कर भागने का प्रयास किया, लेकिन हाथी ने सूंड से धक्का दे कर उसे गिरा दिया और फ्रि उसे पैरों से कुचल दिया. हाथी के चिंघाड़ने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर आए और हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा. आक्रामक होता है अकेला हाथी:दरअसल दल से अलग हुआ हाथी आक्रामक होता है. विभाग में इसे लोनर एलिफेंट के नाम से जाना जाता है. जानकारों के अनुसार दल में नर हाथी के वयस्क होने पर उसे अलग कर दिया जाता है ताकि वह अपने ही दल की मादा हाथी से सम्बन्ध न बना सके. दल से अलग होने के कारण इस हाथी का स्वाभाव चिड़चिड़ा हो जाता है. इस कारण वह अपने सामने आने वाले मानव और सम्पत्ति पर तत्काल आक्रमण कर देता है.

एसपी कोरिया ने रक्षित केंद्र का किया औचक निरीक्षण

कोरिया(विश्व परिवार)। वरिष्ठ कार्यालय द्वारा समय समय पर जारी दिशा निर्देशों के तारतम्य में दिनांक 05 अगस्त 3024 को पुलिस अधीक्षक कोरिया श्री सूरज सिंह परिहार ने रक्षित केंद्र बैकुंठपुर में जिले के लिए उपलब्ध बलवा ड्रिल सामग्री का स्वयं निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान उन्होंने सामग्री की गुणवत्ता और मात्रा की जांच की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपात स्थिति में इनका सही तरीके से उपयोग हो सके। उल्लेखनीय है कि पूर्व में पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर राजपत्रित अधिकारी द्वारा भौतिक सत्यापन कराया गया था जिसका पुन: क्रॉस चेक एसपी कोरिया द्वारा किया गया है। एसपी कोरिया ने बलवा ड्रिल सामग्री का निरीक्षण करते हुए रक्षित निरीक्षक को कुछ उपकरणों को अद्यतन करने के निर्देश दिए और सुनिश्चित करने को कहा कि सभी सामग्री सही और कार्यशील स्थिति में हो। उपकरणों को स्थानीय स्तर पर सही कराने और कुछ उपकरणों की खरीदी के लिए भी ऋक्ष को निर्देशित किया गया है। सत्यापन के दौरान, पुलिस अधीक्षक ने बलवा ड्रिल के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि बलवा ड्रिल सामग्री का सही और समय पर उपलब्ध होना पुलिस बल की तैयारी और कार्यक्षमता को बढ़ाता है। इन उपकरणों का उपयोग आपातकालीन स्थितियों, दंगों और अन्य कानून व्यवस्था संबंधी चुनौतियों से निपटने में होता है और यह सुरक्षा बल की रक्षा करने के साथ साथ फोर्स मल्टीप्लायर का काम भी करते हैं। एसपी कोरिया ने यह भी निर्देश दिया कि सभी पुलिस कर्मियों को इन उपकरणों के सही उपयोग और रखरखाव के बारे में रोटेशन में नियमित प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से पुलिस बल को आपात स्थिति में तेजी और कुशलता से प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में कोरिया में बलवा ड्रिल का अभ्यास दो बार पुलिस लाइन में कराया गया है ।

संपादकीय

कांवड़िए अपने आचरण को प्रेरक बनाएं गए......

कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ जगहों पर हिंसा और कांवडियों के गुस्से में उबल पडने की घटनाओं को देखते हुए उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोई भी पर्व-त्योहार और साधना बिना आत्मानुशासन के पूरे नहीं होते। कांवडियों के उग्र व्यवहार की घटनाएं पिछले कुछ दिनों से खबरें बनी हैं, और आम जन में इस प्रकार के उग्र आचरण का कोई अच्छा संदेश नहीं जा रहा। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कहना पड़ा है कि कांवड़ यात्रा के दौरान अनुशासन बना रहे तो यात्रा न केवल सुगम और सुरक्षित होगी, बल्कि आम जन के व्यापक विश्वास का भी यह प्रतीक बन सकेगी। कांवड़िए परस्पर संबोधन में और अन्यों द्वारा %भोला' कहे जाने पर गद्गद् हो उठते हैं। और समूचा परिदृश्य शिवमय हो उठता है, एक प्रकार की सकारात्मकता का अनुभव होने लगता है। लेकिन कांवड़ यात्रा के दौरान हर दिन ऐसी खबरें भी मिल रही हैं कि कांवड़ किसी के छू जाने पर खंडित करार देकर कांवड़िए उग्र रूप धारण कर लेते हैं, हिंसा, तोडफ़ोड़ पर उतारू हो जाते हैं। स्थिति की गंभीरता का इसी से पता चलता है कि दो दिन पहले उग्र कांवडियों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और कांवड़ यात्रा को सुगमता से पूरी कराने में तैनात पुलिसकर्मियों के वाहन तक में तोड़-फोड़ कर डाली। कई जगह राहगीरों को महज इस बात पर पीट डाला कि वे कांवड़ से बचकर नहीं निकल पाए और कांवड़ से छू गए। इस प्रकार का आचरण आम जन की आलोचना का कारण बन रहा है। और तो और उन योगी आदित्यनाथ तक को कांवडियों को नसीहत देनी पड़ी जिन्होंने संभवतः पहली बार सरकार के स्तर पर कांवडियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाने की शुरुआत की। लेकिन कांवड़ यात्रा के दौरान बीते दिनों की कुछ घटनाओं से व्यथित योगी तक को कहना पड़ा-शिवो भूत्वा शिवं यजेत अर्थात् शिव बनने के लिए शिव जैसी साधना भी चाहिए। कांवड़ यात्रा के दौरान, जिस भी राज्य से कांवड़िए गुजरते हैं, शासन-प्रशासन कांवडियों के लिए सुविधाएं जुटाने में पूरे मनोयोग से जुटता है, और यात्रा संपन्न होने पर राहत की सांस लेता है क्योंकि लाखों के जनसमूह में कोई भी अप्रिय घटना किसी भी क्षण घट सकती है। इसलिए शिव भक्त कांवडियों के लिए जरूरी हो जाता है कि अपने आचरण को प्रेरक बनाएं और आम जन को कोई असुविधा न होने दें ताकि कांवड़ यात्रा या कांवडियों के प्रति उनके मन में कोई खिन्नता पैदा न होने पाए।

विशेष आलेख

सरकार की ओर से कोई खास प्रगति नहीं...

वीरेन्द्र कु. पैन्यूली

यह दुखद ही है कि जनवरी, 2023 में जब जोशीमठ में घरों में दरार दिखना, उनके चौड़ा होना, उनसे पानी फूटने पर सरकार ने जो चिंता दिखाई थी, वह मार्च, 2023 से गायब ही बनी हुई है। आज तो रुख ऐसा है कि जैसे कुछ हुआ ही न हो। जोशीमठवासी कहते हैं कि जनवरी और फरवरी, 2023 में सरकार के जिन आासनों पर आंदोलन रोका गया था उन पर आज तक सरकार की ओर से कोई खास प्रगति नहीं हुई है। नगर में राहत, पुनर्वास, ड्रैनेज, भूधंसाव, भूस्खलन और भूबहाव की समस्याएं जस की तस हैं। इनका जमीनी निदान न होने से स्थानीय निवासी आहत हैं। अब जब उन्होंने मार्च, 2024 में राज्य सरकार को भी बता दिया है कि वे जोशीमठ में ही रहेंगे। तब तो संवेदना जगती। लगातार भूस्खलन उन्हें डरा भी रहे हैं। जमीनी काम कुछ नहीं हो रहा है। इसकी पुष्टि 15 जुलाई, 2024 को एनजीटी ने भी कर दी है। स्पष्ट रूप से उत्तराखंड के मुख्य सचिव को बता दिया गया है कि जोशीमठ पर राज्य सरकार के जून माह के जवाबों से संतुष्ट नहीं है। साफ है कि जोशीमठ पर कोई जमीनी काम नहीं हुआ है। केवल समीक्षाएं और मीटिंग हो रही हैं। प्रदूषण पर भी कोई काम नहीं हुआ। भार वहन क्षमता पर भी कोई काम नहीं हुआ है। स्मरण रहे कि इसरो की जनवरी, 2023 दूसरे सप्ताह में सार्वजनिक हुई उपग्रहीय तस्वीरों और आंकड़ों के विलेषणों के अनुसार जोशीमठ तब के पिछले सात महीनों में 9 सेमी. और तात्कालिक बारह दिनों में 5 सेमी. धंसा था। इस पर प्रधानमंत्री ने 8 जनवरी, 2023 को स्वयं मुख्यमंत्री से बात की थी। तभी प्रधानमंत्री के सचिवालय में मीटिंग हुई थी। 8 जनवरी, 2023 को राज्य सरकार ने जोशीमठ को लैंडस्लाइड्स एंड सबसीडेंस जोन घोषित कर दिया था। घोषणा अस्तित्व में है। मुख्यमंत्री धामी ने तभी कहा था कि जोशीमठ समेत कई पहाड़ी शहरों की भार वहन क्षमता का आकलन किया जाएगा जो अब तक नहीं हुआ है। इसी नौ जुलाई को प्रातः बदरीनाथ मार्ग पर पाताल गंगा के पास पलंयकारी भूस्खलन टूटते पर्वत खंड के भारी गुबार के साथ हुआ जिसका वीडियो देश-विदेश में काफी वायरल रहा। गनीमत थी कि उसके नीचे वहां वाहन नहीं थे। कोई चौरासी घंटों के बाद किसी तरह रास्ता खुला। हजारों लोगों को जोशीमठ में रुकना पड़ा। जोशीमठ प्रवेश के एक किमी. पहले भी भूस्खलन था किन्तु फिर भी राज्य सरकार की चिंता में तब बदरीनाथ विधानसभा सीट का दस जुलाई को होने वाला उपचुनाव ही था। विडम्बना है कि यह भूस्खलन और उसके बाद रह-रह कर होते भूस्खलन उत्तराखंड सरकार के आपदा सचिव के जोशीमठ के नागरिकों को जोशीमठ में ही मार्च-अप्रैल, 2024 में यह जानकारी साझा करने के बाद हो रहे थे कि अगले तीन सालों में जोशीमठ का स्थिरीकरण कर दिया जाएगा। जोशीमठ संघर्ष समिति के अतुल सती का कहना था कि यदि ऐसा होना है तो जोशीमठवासियों को क्यों हटाया जा रहा है। यह स्थिरीकरण हो सकता है, ऐसा कोई वैज्ञानिक शायद ही माने। 1976 की जोशीमठ पर मिश्रा रिपोर्ट में भी कहा गया था कि जोशीमठ पुराने भूस्खलन के मिट्टी और पत्थर के मलबे पर स्थित है। कोई ठोस चट्टान का आधार नहीं है। नीचे जोशीमठ में आधार पर अलकनंदा-धौलीगंगा कटान कर रही हैं। यहां निरंतर धंसाव हो रहा है और नये निर्माण से परहेज किया जाना चाहिए। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी ने भी सितम्बर, 2023 में ही जोशीमठ पर अपनी वैज्ञानिक रिपोर्ट में चेतावनी दे दी थी कि उसके जियोफिजिकल अनुसंधानों से पता चला है कि जोशीमठ के मनोहरबाग में पांच से तीस मीटर गहराई में नया उच्च भूस्खलन प्रभावित जोन मिला है। यहां से पानी की निकासी ठीक नहीं होने से दिक्कतें बढ़ सकती हैं और भारी भूस्खलन हो सकता है। स्मरण रहे कि जोशीमठ के मनोहरबाग वार्ड और मारवाड़ी वार्ड में ही भारी मात्रा में 2 जनवरी, 2023 को भूधंसाव हुआ था। सैकड़ों घरों और होटलों पर में दरारें आ गई थीं। जगह-जगह सड़कें भी धंसी थीं। मनोहरबाग वार्ड में सुरक्षा के तौर पर दो होटलों माउंट व्यू और होटल मलारी का ध्वस्तीकरण किया गया अर्थात जोशीमठ में नौ जुलाई के बाहरी भूस्खलनों के अलावा भीतर के भूस्खलनों, भूफिसलावों के जो खतरे हैं, वाडिया संस्थान इन्हीं से आगाह कर रहा है। जोशीमठ जिस हिमोड में बसा है, उसके मिट्टी, मलबा, पत्थरों में पानी का भीतर रिसना आसान रहता है।

उपसर्ग विजेता भगवान पार्श्वनाथ का प्रेरणादायक जीनव दर्शन

विजय कुमार जैन

भगवान पार्श्वनाथ जैन धर्म के तेइसवें (23वें) तीर्थंकर हैं। भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक देश में हर वर्ष श्रावण शुक्ला सप्तमी को श्रृद्धा भक्ति में मनाया जाता है। आज से 2800 वर्ष पूर्व तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने मोक्ष पद प्राप्त किया।इस दिन जैन मंदिरों में मोक्ष कल्याणक के प्रतीक स्वरूप निर्वाण लाड़ू चढ़ाया जाता है। इस पवित्र दिन को मोक्ष सप्तमी के नाम से जाना जाता है। भगवान पार्श्वनाथ की मोक्ष स्थली जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी झारखंड राज्य स्थिति पारसनाथ पहाड़ पर स्वर्ण भद्र कूट से तपस्या कर भगवान मोक्ष पधारे थे। मोक्ष सप्तमी के दिन जैन अजैन देश विदेश से लाखों श्रृद्धालु यहाँ आकर स्वर्ण भद्र कूट के दर्शन कर यहाँ निर्वाण लाडू चढ़ाते हैं।जैन ग्रंथों के अनुसार वर्तमान में काल चक्र का अवरोही भाग, अवसर्पिणी गतिशील है और इसके चौथे युग में 24 तीर्थंकरों का जन्म हुआ था।तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जन्म आज से लगभग 2900वर्ष पूर्व वाराणसी में हुआ था। वाराणासी में अश्वसेन नाम के इक्ष्वाकुवंशीय राजा थे। उनकी रानी वामा ने पौष कृ?ण एकादशी के दिन महातेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसके शरीर पर सर्पचिह्म था। वामा देवी ने गर्भकाल में एक बार स्वप्न में एक सर्प देखा था, इसलिए पुत्र का नाम 'पार्श्व' रखा गया। उनका प्रारंभिक जीवन राजकुमार के रूप में व्यतीत हुआ। एक दिन पार्श्व ने अपने महल से देखा कि पुरवासी पूजा की सामग्री लिये एक ओर जा रहे हैं। वहाँ जाकर उन्होंने देखा कि एक तपस्वी जहाँ पंचाग्नि जला रहा है, और अग्नि में एक सर्प का जोड़ा मर रहा है, तब पार्श्व ने कहा— 'दयाहीन' धर्म किसी काम का नहीं'। तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने तीस वर्ष की आयु में घर त्याग दिया था और जैनेश्वरी दीक्षा ली थी और वे ब्रह्मचारी अविवाहित थे।काशी में 83 दिन की कठोर तपस्या करने के बाद 84वें दिन उन्हें केवल ज्ञान प्राप्त हुआ था। जैन दर्शन के प्रकांड विद्वान निर्मल कुमार जैन विदिशा द्वारा हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 卐भारतीय इतिहास में श्रमण संस्कृति का योगदान भाग 1卐 मैं लिखा है भगवान पार्श्वनाथ को केवल ज्ञान प्राप्त होने के पश्चात 69 वर्ष 7 माह तक धर्मचक्र प्रवर्तन कर तीर्थंकर पद को सार्थक किया। पार्श्वनाथ के समवशरण में 16000 दिगंबर मुनि, जिनमें 10 गणधर, 350 अंगों के ज्ञाता थे। 1000 केवल ज्ञान से संपन्न मुनिराज थे, 750 मन:पर्यज्ञान के धारी मुनिराज, 1000 मुनि विकृति के

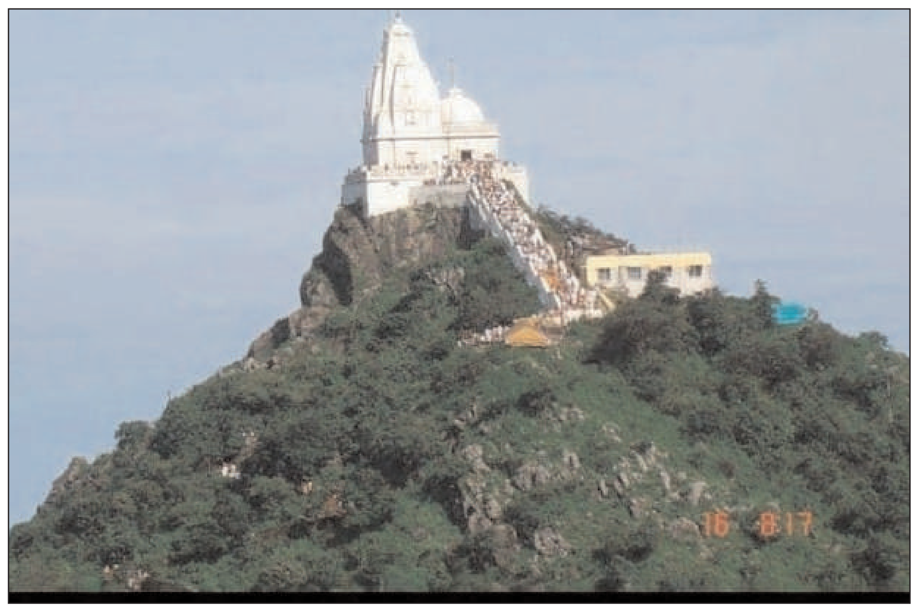

धारक मुनि थे। 600 वादी मुनिराज थे। उन्नीस सौ शिक्षक उपाध्याय पद के धारी थे। सुलोचना आदि 36000 आर्यिकाएँ थी। जो अपने कल्याण के साथ ही जीवों के कल्याण में सहयोगी बनी। पुंड्र, ताम्रलिप्त आदि अनेक देशों में उन्होंने भ्रमण किया। ताम्रलिप्त में उनके शिष्य हुए। पार्श्वनाथ ने चतुर्विध संघ की स्थापना की, जिसमे मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका होते है और आज भी जैन समाज इसी स्वरुप में है। 卐भारतीय इतिहास में श्रमण संस्कृति का योगदान卐 पुस्तक में श्री निर्मल कुमार जैन ने लिखा है 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ के काल में जैन प्रतिमा थी। भगवान पार्श्वनाथ के काल में किसी कोबरा देवी ने एक मंदिर बनवाया था मूर्ति निर्माण एवं मूर्ति पूजा का इसी प्रकार भगवान पार्श्वनाथ के काल का एक और साक्ष्य आज भी विद्यमान है भगवान पार्श्वनाथ के पश्चात जंतिपुर उड़ीसा नरेश करकंडू ने तेरापुर गुफाओं में गुहा मंदिर (लयण)बनवाएं और उनमें पारसनाथ तीर्थंकर की पाषाण की प्रतिमा विराजमान कराई। यह लयण और प्रतिमा अब तक विद्यमान हैं। लगभग ऐसा ही उल्लेख प्रमुख इतिहासज्ञ डॉक्टर ज्योति प्रसाद जैन ने भी किया है।केवल ज्ञान के पश्चात तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने जैन धर्म के चार मुख्य व्रत ङ्क सत्य, अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह की शिक्षा दी थी। अंत में अपना निर्वाणकाल समीप जानकर श्री सम्मेद शिखरजी (पारसनाथ की पहाड़ी जो झारखंड में है) पर चले गए जहाँ श्रावण शुक्ला सप्तमी को उन्हे मोक्ष की प्राप्ती हुई। भगवान पार्श्वनाथ की लोकव्यापकता का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि आज भी सभी तीर्थंकरों की मूर्तियों और चिह्नों में पार्श्वनाथ का चिह्न सबसे ज्यादा है। भारत में सबसे ज्यादा जैन मंदिर भगवान पार्श्वनाथ के है। आज भी पार्श्वनाथ की कई चमत्कारिक मूर्तियाँ देश भर में विराजित है। जिनकी गाथा आज भी पुराने लोग सुनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि महात्मा बुद्ध के अधिकांश पूर्वज भी जैन धर्म विशेष रूप से भगवान पार्श्वनाथ के अनुयायी थे। जैन ग्रंथों में तीर्थंकर पाश ?वनाथ के नौ पूर्व जन्मों का वर्णन हैं। पहले जन्म में ब्राह्मण, दूसरे में हाथी, तीसरे में स्वर्ग के देवता, चौथे में राजा, पाँचवें में देव, छठवें जन्म में चक्रवर्ती सम्राट और सातवें जन्म में देवता, आठ में राजा और नौवें जन्म में राजा इंद्र (स्वर्ग) तत्पश्चात दसवें जन्म में उन्हें तीर्थंकर बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पूर्व जन्मों के संचित पुण्यों और दसवें जन्म के तप के फलतः वे तीर्थंकर बनें।राजकीय जैन संग्रहालय, मथुरा के अनुसार पार्श्वनाथ जैनों के तेईसवें तीर्थंकर है। इनका जन्म अरिष्टनेमि के एक हज़ार वर्ष बाद इक्ष्वाकु वंश में पौष माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को विशाखा नक्षत्र में वाराणसी में हुआ था। इनकी माता का नाम वामा देवी और पिता का नाम राजा अश्वसेन था। इनके शरीर का वर्ण नीला जबकि इनका चिह्न सर्प है। पार्श्वनाथ के यक्ष का नाम पार्श्व और यक्षिणी का नाम पद्मावती देवी था। जैन धर्मावलम्बियों के अनुसार भगवान पार्श्वनाथ के गणधरों की कुल संख्या 10 थी, जिनमें आर्यदत्त स्वामी इनके प्रथम गणधर थे।इनके प्रथम आर्यिका का नाम पुष्पचुड़ा था।पार्श्वनाथ ने पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वाराणसी में दीक्षा की प्राप्ति की थी। दीक्षा प्राप्ति के पश्चात् दो दिन बाद खीर से इन्होनें प्रथम पारणा किया।पार्श्वनाथ 30 साल की अवस्था में सांसारिक मोहमाया और गृह का त्याग कर संन्यासी हो गए थे। 84 दिन तक कठोर तप करने के बाद चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को वाराणसी में ही 'घातकी वृक्ष' के नीचे इन्होनें 'कैवल्य ज्ञान' को प्राप्त किया। एक कथा के अनुसार एक दिन कुमार पार्श्व वन-क्रीडा के लिए गंगा के किनारे गये। जहाँ एक तापसी पंचग्नि तप कर रहा था। वह अग्नि में पुराने और पोले लक्कड़ जला रहा था। पार्श्व की पैनी दृष्टि उधर गयी और देखा कि उस लक्कड़ में एक नाग-नागिन का जोड़ा है और जो अर्धमृतक-जल जाने से मरणासन्न अवस्था में है। कुमार पार्श्व ने यह बात तापसी से कही। तापसी झुंझलाकर बोला ङ्क 'इसमें कहाँ नाग-नागिन है? और जब उस लक्कड़ को फाड़ा, उसमें मरणासन्न नाग-नागिनी को देखा। पार्श्व ने 'णमोकारमन्त्र' पढ़कर उस नाग-नागिनी के युगल को संबोधा, जिसके प्रभाव से वह मरकर देव जाति से धरणेन्द्र पद्मावती हुए। जैन मन्दिरों में पार्श्वनाथ की अधिकांश मूर्तियों के मस्तक पर जो फणामण्डल बना हुआ देखा जाता है वह धरणेन्द्र के फणामण्डल मण्डप का अंकन है, जिसे उसने कृतज्ञतावश योग-मग्न पार्श्वनाथ पर कमठ द्वारा किये गये उपसर्गों के निवारणार्थ अपनी विक्रिया से बनाया था। जैन ग्रंथों में उल्लेख है कमठ से पार्श्वनाथ का बैर (दुश्मनी) लगातार दस जन्म तक चलती रही। राजकीय जैन संग्रहालय, मथुरा के अनुसार राजकुमार पार्श्व ने लकड़ी में नाग नागिन की रक्षा की उपर्युक्त घटना से प्रतीत होता है कि पार्श्व के समय में कितनी मूढ़ताएं-अज्ञानताएं धर्म के नाम पर लोक में व्याप्त थीं।पार्श्वकुमार इसी निमित्त को पाकर विरक्त हो प्रव्रजित हो गये, न विवाह किया और न राज्य किया। कठोर तपस्या कर तीर्थंकर केवली बन गये और जगह-जगह पदयात्रा करके लोक में फैली मूढ़ताओं को दूर किया तथा सम्यक् तप, ज्ञान का सम्यक् प्रचार किया। अन्त में बिहार प्रदेश में स्थित सम्मेद-शिखर पर्वत से, जिसे आज 'पार्श्वनाथ हिल' कहा जाता है, तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने मुक्ति-लाभ किया।इनकी ऐतिहासिकता के प्रमाण प्राप्त हो चुके हैं और उनके अस्तित्व को मान लिया गया है।प्रसिद्ध दार्शनिक सर राधाकृष्णन ने भी अपने भारतीय दर्शन में इसे स्वीकार किया है।

पार्श्वनाथ जैनों के 23वें तीर्थंकर गिने जाते हैं, जिनका निर्वाण पारसनाथ पहाड़ पर हुआ था, जो हज़ारीबाग़ के दक्षिण-पूर्व 448 फीट ऊंचा पहाड़ है।

नोट:-लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

बीसवीं सदी के प्रथम दिगंबर जैनाचार्य श्री शांतिसागर आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष एवं संप्रेरिका गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी

भगवान आदिनाथ ने युग की आदि में जीवन जीने की कला को सिखाया। आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज जिन्होने बीसवीं शताब्दी के अंदर मुनि परम्परा को पुनर्जीवित किया।

आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज

गौरवशाली प्रकाशपुंज आचार्य कुन्दकुन्द,स्वामी समंतभद्र, विद्यानंदी, जिनसेन इत्यादि आचार्यों की जन्मभूमि तथा उपदेश से पवित्र कर्नाटक प्रदेश में आचार्यश्री 108 शांतिसागर महाराज का जन्म हुआ। बेलगाँव जिले में भोज ग्राम के भीमगौंडा पाटील की धर्मपत्नी सत्यवती थीं। सन् 1872 में आषाढ़ कृष्णा षष्ठी के दिन माता सत्यवती ने अपने पीहर येळगुळ में एक पुत्र को जन्म दिया। इस पुत्र का नाम 'सातगौंडा' रखा गया। ये ही आगे प्रथमाचार्य शांतिसागर जी हुए हैं। आचार्य शांतिसागर जी के माता-पिता भोजग्राम निवासी थे, लेकिन आचार्य शांतिसागर जी का जन्म येळगुळ ग्राम में नाना के घर हुआ। समडोली ग्राम में ही सर्वप्रथम आचार्यश्री का चतु:संघ स्थापन हुआ। अब तक केवल अकेले महाराज ही निर्ग्रंथ साधु स्वरूप में विहार करते थे। अब संघ सहित विहार होने लगा। संघ ने उनको समडोली गांव के समीप शालिनी पाटील खेत में 'आचार्य' पद घोषित किया। आचार्य महाराज का संघ पर वीतराग शासन बराबर चलता था।

धवला, जयधवला ग्रंथराजों के ताम्रपट्ट कराने का आचार्य श्री शांतिसागर जी का निर्णय-

वि. सं. 2000 (ई. सन् 1944) की घटना है। आचार्यश्री का चौमासा कुंथलगिरि में था। पं. श्री सुमेरचंद जी दिवाकर जी से धर्मचर्चा के समय यह पता चला कि अतिशयक्षेत्र मूड़बिद्री में विद्यमान धवला, जयधवला और महाबंध इन सिद्धान्त ग्रंथों में से महाबंध ग्रंथ की ताड़पत्री प्रति के करीब 5000 सूत्रों का भागांश कीटकों का भक्ष्य बनने से नष्टप्राय हुआ। भगवान महावीर के उपदेशों से साक्षात् संबंधित इस जिनवाणी का केवल उपेक्षा मात्र से हुआ विनाश सुनकर आचार्यश्री को अत्यन्त खेद हुआ। आगम का विनाश यह अपूरणीय क्षति है। इनकी भविष्य के लिए सुरक्षा हो तो कैसी हो? इस विषय में पर्याप्त विचार परामर्श हुआ। अंत में निर्णय यह हुआ कि इन ग्रंथराजों के ताम्रपत्र किये जायें और कुछ प्रतियां मुद्रित भी हों। प्रात:काल की शास्त्र सभा में आचार्यश्री का वक्तव्य हुआ। संघपति श्रीमान् सेठ दाडिमचंद जी, श्रीमान् सेठ चंदूलाल जी बारामती, श्रीमान् सेठ रामचन्द जी धनजी दावडा आदि सज्जन उपस्थित थे। संघपति जी का कहना था कि जो भी खर्चा हो वे स्वयं करने के लिए तैयार हैं। फिर भी आचार्यश्री के संकेतानुसार दान संकलित हुआ जो करीब डेढ़ लाख हुआ। श्री 108 चा.

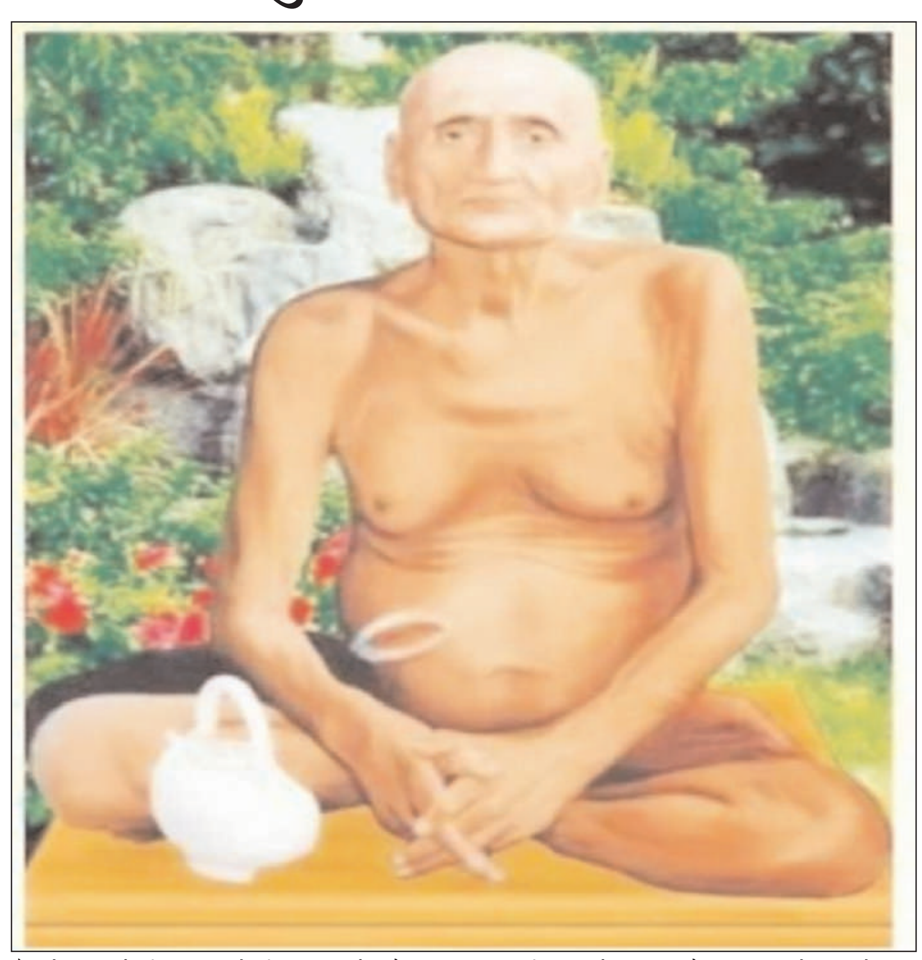

च. शांतिसागर दि. जैन जिनवाणी जीर्णोद्धार संस्था'' नामक संस्था का जन्म हुआ। ग्रंथों के मूल ताड़पत्री प्रतियों के फोटो लेने का और देवनागरी प्रति से ताम्रपट्ट कराने का निर्णय हुआ नियमावली बन गई। कार्य की पूर्ति के लिए ध्रुवनिधि की वृद्धि करने का भी निर्णय हुआ। कार्य की पूर्ति शीघ्र उचितरूप से किस प्रकार हो इस विषय में पत्र द्वारा मुनि श्री समंतभद्र जी से परामर्श किया गया।

गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी

जैनशासन के वर्तमान व्योम पर छिटके नक्षत्रों में दैदीप्यमान सूर्य की भाँति अपनी प्रकाश-रश्मियों को प्रकीर्णित कर रहीं पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी जी जिन्होने आचार्य श्री शांतिसागर महाराज जी के तीन बार दर्शन किए हैं-1. नीरा (महाराष्ट्र) में सन् 1954 में, 2. बारामती (महा.) में सन् 1955 में,3. कुंथलगिरि सिद्धक्षेत्र (महा.) में सन् 1955 में सल्लेखना के समय। मैना (ज्ञानमती माताजी) का जन्म टिकैतनगर (जिला-बाराबंकी, उ.प्र.) के श्री छोटेलाल जी जैन की धर्मपत्नी श्रीमती मोहिनी देवी की प्रथम संतान के रूप में 22 अक्टूबर 1934 को शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। माता मोहिनी को उनके माता-पिता द्वारा दहेज में दिए गए प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मनन्दि-पंचविंशतिका' के नियमित स्वाध्याय से मैना के मन में संसार त्याग की भावना प्रबल हो उठी। वस्तुत: ऐसी भावनाएँ उनमें पूर्व जन्मों से ही गहराई से समाहित थीं। मैना ने 18 वर्ष की अल्पायु में ही शरद पूर्णिमा के दिन सन् 1952 में आचार्यरत्न श्री देशभूषण जी महाराज से आजीवन ब्रह्मचर्य, सप्त प्रतिमाएँ (गृहस्थ व्रत) तथा गृहत्याग की शपथ ली। तत्पश्चात सन् 1953 में 20वीं सदी की प्रथम ब्रह्मचारिणी मैना ने 'क्षुल्लिका वीरमती' बनने के लिए चैत्र कृष्ण एकम को महावीर जी अतिशय क्षेत्र (राजस्थान) में आचार्य श्री देशभूषण जी से क्षुल्लिका दीक्षा ली। सन् 1955 में आचार्य श्री शांतिसागर महाराज जी ने कुंथलगिरि में देशभूषण-कुलभूषण जी की प्रतिमा के समक्ष 12 वर्ष की सल्लेखना ली थी। ज्ञानमती माताजी उस समय क्षुल्लिका अवस्था में वीरमती माताजी थी,कुंथलगिरि में एक माह आचार्यश्री के श्रीचरणों में रहीं 7 क्षुल्लिकावस्था में आचार्य श्री की प्रत्यक्ष सल्लेखना तो देखी ही है, साथ ही उनके श्रीमुख से अनेक अनुभव वाक्य भी प्राप्त किए हैं। ज्ञानमती माताजी (क्षुल्लिका विरमती) ने आचार्य श्री शांतिसागर महाराज जी से आर्यिका दीक्षा की याचना की थी किन्तु आचार्य श्री ने कहा था कि मैंने सल्लेखना ले ली है और अब दीक्षा देने का त्याग कर दिया है। तुम मेरे शिष्य वीरसागर से आर्यिका दीक्षा लेना। अत: चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के आदेशानुसार उन्होंने 1956 की वैशाख कृष्ण दूज को माधोराजपुरा (जयपुर-राजस्थान) में आचार्य श्री शांतिसागर जी के प्रथम शिष्य पट्टाचार्य आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज से आर्यिका दीक्षा (महिलाओं के लिए दीक्षा की सर्वोच्च अवस्था) ली और आर्यिका ज्ञानमती बन गईं।एवं नाम के अनुसार सारे विश्व में एक विराट साहित्य कि शृंखला का सृजन किया, जो कि न भूतो न भविष्यती धन्य हैं वे भविष्य दृष्टा आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज जिन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से इनकी प्रतिभा का आकलन कर इन्हें ''ज्ञानमती'' नाम दिया। आपकी उत्कृष्ट साधना एवं कठोर तपस्या का ही यह प्रभाव है कि आपके सम्पर्क में आने वाला प्रत्येक श्रावक/श्राविका आपके सम्मुख स्वयमेव नतमस्तक हो जाता है। ऐसी ज्ञानमती माताजी जिन्होने आचार्य शांतिसागर जी महाराज जी कि आचार्य परंपरा के सभी आचार्यों के दर्शन किया, जो कि बहुत बडी बात हैं 7 लगभग आज वर्तमान में 1600 साधु - साध्वीयां विराजमान हैं, उन सबमें सबसे प्राचीन दीक्षित पूज्य ज्ञानमती माताजी हैं 7 ज्ञानमती माताजी जो कि प्रथम बालब्रह्मचारिणी इन्होंने आर्यिका परम्परा को जीवन्त किया। आचार्य शांतिसागर महाराज जी की परम्परा आगम परम्परा है। आचार्यश्री आगम के विरुद्ध न कोई बात करते थे, न आगम के विरुद्ध प्रवचन करते थे। ठीक इसी तरह उनकी प्राचीन शिष्या ज्ञानमती माताजी सैद्धान्तिक बाते बताती हैं। आगम के विरुद्ध एक शब्द नहीं बोलती हैं। वर्तमान की साधु परंपरा चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांतिसागर महाराज की देन एवं उपलब्धि है 7 आज लगभग 1600 साधु विहार कर रहे हैं, यह सब आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का ही उपकार है

श्री अभिषेक अशोक पाटील

जीवन में जो योग्य है उसे पहचान कर करने का प्रयास करें : मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री संभवनाथ जैन मंदिर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 की प्रवचन माला में जीवन में विशेषज्ञता हासिल करने का व्याख्यान जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को रायपुर के कुलदीपक तपस्वी रत्न मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने कहा कि जो जीवन में जरूरी है और जितना जरूरी है इसकी पहचान ही विशेषज्ञता है। जीवन में हर एक परिस्थिति के अंदर चीज बदल जाती है। विशेषज्ञ वही है जो इसे पहचान सके। जैसे आप परमात्मा की भक्ति करते हैं एक तरह से आप शांत वातावरण में करते हैं और दूसरा संगीत के साथ करते हैं ,भक्ति दोनों तरह से होती है लेकिन जहां जो आवश्यक है उसकी पहचान आपको होनी चाहिए। व्यवहार कुशल परमात्मा तीर्थंकर भगवान हमें मिले हैं तो उस व्यवहार को पालन करें जो योग्य है उसे करने का प्रयास करें।

मुनिश्री ने आज नेमिनाथ प्रभु के जन्म कल्याणक के दिन परमात्मा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परमात्मा का जीव परहितार्थकारी और व्यवहारज्ञ होते हैं। जब जरासंध

की जरा विद्या के सामने पूरा यादव सैन्य मूर्छित हो गया तब इंद्र के द्वारा भेजे गए मातली नाम के सारथी ने नेमिकुमार से विनती की कि आप क्रोधादि से पर हैं लेकिन फिर भी जब जरासंध पूरे यादव कुल का नाश करने के लिए उद्धत हुआ है तब हे यादव कुल शिरोमणि ! आपको इस घटना की उपेक्षा करना यह योग्य नहीं है और इसी कारण से जरासंध के साथ युद्ध में खुद बैरागी होते हुए भी जरासंध की जरा विद्या के प्रयोग के सामने श्रीकृष्ण की सेना का रक्षण किया । चार गतियों में मनुष्य ही सिद्ध गति को प्राप्त कर सकता है : मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी

मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. ने आज की प्रवचन माला में कहा कि जीव को चार गति में विभाजित किया गया है। देव गति, नरक गति,त्रियंच गति और मनुष्य गति। ऐसे ही 14 पायदान होते हैं जिस पर चढ़ते चढ़ते जीव अपने अंतिम लक्ष्य को प्राप्त कर पाता है। इन चारों गतियां में मनुष्य की गति ही ऐसी है जिसमें 14 में से 14 पायदान प्राप्त किए जा सकते हैं। देव बहुत समृद्धशाली हैं वे भी चार पायदान पर ही पहुंच सकते हैं। नरक के जीव भी चार पायदान पर चढ़ सकते हैं। त्रियंच

(पशु पक्षी) पांच पायदान पर चढ़ सकते हैं लेकिन मनुष्य जीव 14 के 14 पायदान पर पहुंचकर सिद्ध गति को प्राप्त सकता है। परमात्मा के वचन को समझना, मानना, स्वीकारना और पालन करना मनुष्य गति में ही संभव है।

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की भव्य भावयात्रा रविवार को नगर में पहली बार श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की भव्यतम भावयात्रा निकाली जाएगी। रविवार 11 अगस्त को सुबह 8:15 बजे चतुर्विद संघ के साथ प्रयाण होकर 9:15 बजे शंखेश्वर तीर्थ मंडपम पहुंचेगी। भाव यात्रा संघपति के निवास स्थान विवेकानंद नगर से प्रारंभ होकर टैगोर नगर होते हुए वापस विवेकानंद शंखेश्वर तीर्थ मंडपम आएगी। मोक्षित भाई अहमदाबाद की संगीतमय प्रस्तुति होगी।

अंहकार के टूटने पर भीतर का ज्ञान प्रकट होता है-मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के वज्रनाभि भव के बारे में बताया कि हम सब शरीर और आत्मा को एक मानते हैं। जबकि शरीर तो ऐसा है कि खिलाने - पिलाने से दुखी करता है और यदि उसे सुखाऐ तो सुखी करता है। मुनि श्री ने कहा कि जिसका जैसा बीज होगा, उत्पाद भी उसका वैसा ही होगा। यह देह इतनी अपवित्र है कि इसे सागर के जल से धोए तो भी शुद्ध नहीं होगी। पंच इन्द्रिय जीव की यह देह नो मल द्वारों से युक्त होती है। फिर भी हम इसे पालने व परोसने के लिए नित नये जतन करते हैं। इसी प्रसंग में मुनि श्री ने जैन शरीर विज्ञान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऋतुओं के साथ यदि शरीर को चलाओगे तो शरीर को

स्वस्थ रख पाओगे। देह से राग घटने पर आत्मा में राग बढता है और अंहकार के टूटने पर भीतर का ज्ञान प्रकट होता है।

इससे पूर्व शुभम भैया एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी मंजू, जितेश - नेहा, अखर लुहाडिया परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया।

समिति के एडवोकेट राजेश काला एवं अशोक गोधा ने बताया कि इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में दिगम्बर जैन महासमिति के राजस्थान अंचल अध्यक्ष सेवानिवृत्त आई पीएस अनिल जैन, महामंत्री महावीर बाकलीवाल, उत्तम कुमार पाण्डया, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, भाग चन्द बाकलीवाल मित्रपुरा, राजेश काला ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

समिति के कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट राजेश काला एवं अशोक गोधा ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शनिवार 10 को प्रात: 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रात: 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।संयुक्त मंत्री मनोज जैन ने बताया कि शनिवार 10 अगस्त को जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया जावेगा।

जैसा भविष्य चाहिए वैसे ही कर्म करने चाहिए, स्वयं के भाग्य लिखने की ताकत आपके पास ही है : आर्यिका वर्धस्व नंदनी

तिजारा अलवर । चंद्रप्रभु अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा में विराजमान दिगंबर जैन आचार्य वसुनंदी जी महाराज की शिष्या आर्यिका वर्धस्व नंदिनी माताजी प्रतिदिन प्रात: आर्ट आफ थिंकिंग विषय पर विशेष उद्बोधन प्रदान कर जीवन जीने की कला सीखा रही है। उन्होंने कहा कि संसार में प्रत्येक व्यक्ति आत्मनिर्भर है क्योंकि प्रत्येक जीव अपने भाग्य का निर्माता होता है।

उन्होंने श्रावकों से कहा कि कितना मुश्किल होता है यदि यह कहा जाए कि, सामने वाला जो भी करें अच्छा या बुरा, उसका फल

आपको मिलेगा, तब आप सही में पराधीन हो जाते हैं। दुखी और तनावग्रस्त हो जाते हैं। किंतु अपने भविष्य एवं भाग्य को लिखने की ताकत आपके स्वयं के पास ही है। अत: अपना भाग्य लिखने में प्रमादी ना बने। किसी के साथ बुरा व्यवहार कर धोखा दे,हिंसक प्रवृत्ति अपना कर प्रसन्न नहीं होना चाहिए। क्योंकि यह सब आप स्वयं अपने भविष्य में लिख रहे हैं। इसलिए जैसा भविष्य चाहते हैं वैसा कर्म करना प्रारंभ करें। उन्होंने लोगों को सावधान करते हुए कहा कि अपनी करनी का फल आज नहीं तो कल अवश्य मिलेगा इसके लिए आपको तैयार रहना चाहिए। धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कक आर्यिका संघ के वर्षा योग करने से जहां तिजारा की धरा पर महती धर्म प्रभावना हो रही है वहीं लोगों में जीवन के प्रति सकारात्मक सोच का विकास हो रहा है।

भक्ति पूर्वक हुआ गणधर वलय विधान एवं भक्तामर दीप अर्चना

एटा। पुरानी बस्ती स्थित श्री दिगंबर जैन बड़े मंदिर जी में 9 अगस्त शुक्रवार को प्रात: गणधर वलय विधान का आयोजन श्रीमती आशा जैन मौसम अंजलि जैन, अंकित जैन शुभि जैन ,एवं दिशा जैन पुण्यार्जक परिवार द्वारा किया गया, चित्र अनावरण श्री मौसम अंकित जैन सरस्वती ज्वैलर्स एवं दीप प्रज्वलन ,सुधाकर जैन, अमित जैन, शैली जैन, नरेंद्र जैन एवं गजेंद्र जैन ने किया माता जी का पाद प्रक्षालन श्री विशुद्ध भक्त परिवार द्वारा किया गया, शास्त्र भेंट श्री नरेंद्र जिरसमी, योगेश जैन ने किया गया!

शांति धारा नित्य नियम पूजन नव देवता पूजन के पश्चात गणधर वलय विधान के दौरान सर्वाधिक दीक्षाप्रदात्री सम्यकज्ञान शिरोमणि गणिनी आर्यिका 105 श्री विशुद्धमति माताजी ने श्रावकों को मंगल उद्बोधन के माध्यम से बताया की गणधर वलय विधान में 1452 गणधर परमेष्ठी की आराधना की गई है जो संसारी भव्य आत्मा तीर्थंकर प्रभु के पाद मूल में जैनेश्वरी दीक्षा को अंगीकार करता है उनका शिष्यत्व स्वीकार करता है, उसके उपरांत वह चार ज्ञान धारी होकर तीन देवों , चक्रवर्ती द्वारा पूजित 63 ऋद्धियों के अधिपति हो जाते हैं और गणधर बनकर तीर्थंकर प्रभु की दिव्य वाणी को ग्रहण कर द्वादश अंगों में सूत्रबद्ध करते हैं यह अकाट्य सिद्ध है कि एक

तीर्थंकर से दीक्षित शिष्य अन्य तीर्थंकर के गणधर नहीं हो सकते हैं, अपितु जिस तीर्थंकर का गणधर बनना है उनसे ही दीक्षित होना अनिवार्य है, भगवान महावीर के समवशरण में पार्श्व प्रभु से दीक्षित मुनि श्री विराजमान थे परन्तु वे गणधर नहीं बन सके! धर्म के सहारे बैठे रहेंगे तो बचे रहेंगे, इस गणधर वलय स्तोत्र की आराधना हमारी बुद्धि ,विद्या ,ज्ञान, प्रज्ञा की तीव्र गति से विकास में सहकारी है, ज्ञानी अज्ञानी सभी पढ़कर अपने- अपने समस्त क्रूर ग्रहों को आर्थिक, पारिवारिक, धार्मिक, राजनीतिक, शारीरिक ,मानसिक समस्त विघ्नों को दूर कर सुख समृद्धता के धनी बन सकते हैं, विधान की पुनरावृत्ति होती रहनी चाहिए, कम से कम साल में दो बार इस विधान को अवश्य ही करें, 6 माह तक प्रतिदिन विशुद्ध मन से इस महा स्त्रोत को पढ़ने एवं रिद्धि मंत्र का जाप करने से पाप कर्म की निर्जरा होती है और पुण्य का आश्रव होता है!

प्रज्ञा पद्मिनी पट्ट गणिनी आर्यिका 105श्री विज्ञमति माताजी ने अपनी मधुर वाणी से अर्घ एवं मंत्र पढ़े वहीं पं0विपिन जैन स्वामी के कुशल निर्देशन में मांडना पर श्री फल समर्पित किये गए! , श्रीमती सुनीता-नवीन जैन, समीक्षा जैन को विशुद्ध भक्त परिवार द्वारा सम्मानित किया गया! इस अवसर पर श्री वीर कांत जैन, कुलदीप जैन, अनिल जैन, संजू जैन, विक्रांत विक्की, विवेक जैन, राहुल जैन, गौरव बड़ागाँव, झम्मन जैन, सुरेन्द्र जैन, प्रतीक जैन, सोना शास्त्री, विज्जीजैन, आदेश जैन, तरूण जैन, श्रीमती जिनेन्द्र प्रभा जैन, नीतू जैन, बबिता जैन, वीनेशजैन, स्नेह लता जैन,शताक्षी जैन,रुबी जैन, सरिता जैन, रजनी जैन, चिंकी जैन,मंजू जैन एवं नीरेश जैन आदि ने विधान में उपस्थित रहकर पुण्यार्जन किया!शाम को बड़े मंदिर जी में 48 दीपकों से भक्तामर दीप अर्चना का सुंदर कार्यक्रम, आरती,गुरु भक्ति भोपाल की केशव एंड पार्टी के सुमधुर संगीत के साथ संपन्न हुआ

नांदणी जैन मठ में मनेगा पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक और आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज का विशेष प्रवचन

नांदणी। जैन धर्म के अनुसार श्रावण शुक्ल सप्तमी के दिन तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथजी का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया जाता है। जो सम्मेद शिखरजी से मोक्ष गए हैं इस दिन पूरे भारतवर्ष में 11 अगस्त 2024 को उनका निर्वाण दिवस मोक्ष कल्याणक के रूप में भगवान पार्श्वनाथ की विशेष पूजा-अर्चना, शांतिधारा कर,निर्वाण लाडू चढ़ाकर मनाया जायेगा

नांदणी मठ में सुबह 8.30 बजे भगवान पार्श्वनाथ जी के रजत प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक होगा और दोपहर 3.30 बजे आचार्य विशुद्ध सागर जी गुरुदेव का विशेष प्रवचन होगा

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज

सम्यकदर्शन, ज्ञान और चारित्र ही मोक्षमार्ग है। ऐसी बात को बहुत सरल रुप से बताने वाले आचार्य भगवन्त प.पू. आध्यात्म योगी 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज यथा नाम तथा गुण रुप है। जैसा नाम है, वैसा ही आचरण है। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज को तत्वो का इतना गहन चिन्तवन है कि जिनवाणी उनके कण्ठ मे विराजमान रहती है। आचार्य श्री के प्रवचन इतने सरल व स्यादवाद से भरे होते है कि हमारे अष्टमूल गुण तो क्या, अणुव्रत और महाव्रत तक लेने के भाव हो जाते है। इनके प्रवचन मे स्यादवाद व अनेकान्त रुपी शस्त्र से मिथ्यात्व का शमन तो सहज ही झलकता है।

प्रवचन सुनकर सा लगता है कि

हमारे ही बारे मे बात कही जा रही हो। आचार्य श्री के बारे मे जितना कहे कम है, हे गुरुवर, आचार्य भगवन्त नमोस्तु शासन को सदा जयवतं रखे। परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के बचपन से प्रारंभिक क्रियायें उनके भविष्य में वैराग्य की और बढ़ते क़दमों का संकेत दे रही थी।उनका विवरण निम्न प्रकार से है। बचपन से ही जिनालय जाना:- महाराज श्री अल्पायु से अपने पिता जी श्री रामनारायण जी एवं माता जी श्रीमती रत्ती देवी एवं अपने अग्रजों के साथ प्रतिदिन श्री जिन मंदिर जी दर्शनों के लिये जाने लगे थे।

रात्रि भोजन एवं अभक्ष्य वस्तुओं का त्याग:- लला राजेंद्र (आचार्य श्री का बचपन का नाम)ने 7 वर्ष की अल्पायु में श्री जिनालय में रात्रि भोजन का त्याग एवं अभक्ष्य वस्तुओं के त्याग का नियम ले लिया था और उसका पालन भली प्रकार से किया ।

सप्त व्यसनों का त्याग एवं अष्ट मूल गुणों का पालन:- लला राजेंद्र जब 8 वर्ष के थे तभी से उन्होंने सप्त व्यसन का त्याग एवं अष्ट मूल गुणों का पालन करना प्रारंभ कर दिया था।

बिना देव दर्शन भोजन न करने का नियम:- लला राजेंद्र ने 13 वर्ष की अल्पायु में तीर्थराज श्री दिग. जैन सिद्ध क्षेत्र शिखर जी में बिना देव दर्शन के भोजन न करने का नियम ले लिया था । **स्वत: ब्रहमचर्य व्रत अंगीकार :**- अल्पायु में लला राजेंद्र ने अपने ग्राम रुर के जिनालय में भगवान् के समीप स्वयं ही ब्रहमचर्य व्रत ले लिया था

अनेक तीर्थ क्षेत्रों की वंदना करने का सौभाग्य :- राजेंद्र लला ने अपने पिता जी माता जी एवं अनेक परिवार जनों के साथ बचपन से ही शिखर जी,सोनागिरी जी,एवं अनेक तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन करने एवं वह विराजमान पूज्य महाराजों के दर्शन करना भी उनके वैराग्य का एक बिंदु है।

अभिषेक अशोक पाटील, कोल्हापूर

राजस्व अधिकारियों ने साफ-सफाई का किया जा सतत निरीक्षण

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश में भाटापारा एसडीएम नितिन तिवारी के नेतृत्व में भाटापारा नगर साफसफाई को लेकर राजस्व अधिकारियों द्वारा सतत निरीक्षण की जा रही है। इस तारतम्य में आज तहसीलदार चित्रलेखा चंद्रवंशी,नायब तहसीलदार अभिषेक अग्रवाल ने महावीर वार्ड,सुभाष वार्ड,परशुराम वार्ड,गांधी मंदिर वार्ड सहित अन्य वार्डो में अलग अलग जाकर साफ सफाई का निरीक्षण

किया। साथ ही नगर पालिका परिषद की सफाई कर्मचारियों को निर्देशित भी किए.गौरतलब हैं की कलेक्टर दीपक सोनी नगर भ्रमण कर सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश एसडीएम को दिए थे। जिसके परिपालन में एसडीएम ने भी रूटीन में सभी तहसीलदार,नायब तहसीलदारो को नगर पालिका के सफाई कार्य को मॉनिटरिंग करने ड्यूटी लगाई गई है।

पाप का गेट बंद किए बिना मोक्ष का गेट खुलने वाला नहीं है : साध्वी सुमंगल प्रभा जी

दुर्ग। जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब दुर्ग की धर्म सभा को संबोधित करते हुए साध्वी सुमंगल प्रभा ने कहा सद अनुष्ठान करते रहने से बेहतर की तरफकदम आगे बढ़ते है जिससे बदतर अपने पाप पीछे छूट जाता है। परिणामस्वरूप एक वक्त ऐसा आता है जब जीवन श्रेष्ठतम हो जाता है।

सद्अनुष्ठान करने से पाप का गेट बंद हो जाता है। गेट बंद किए बिना न तो लिफ्ट चलती है और न ही आप कार चलाते हो। आलमारी या तिजोरी का गेट भी आप बंद रखते हो, मकान का गेट भी बिना कारण खुला नहीं रखते हो तो फिर पाप का गेट क्यों खुला खखते हो।

पारम्परिक वेशभूषा में पहुंचे मूल निवासी

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

बलौदाबाजार। कलेक्टोरेट परिसर में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री दीपक सोनी तथा आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने बड़ा देव की पूजा- अर्चना किया तथा शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के लोग पारम्परिक परिधान एवं वेश- भूषा के साथ शामिल हुए। इस दौरान मल्लखम्भ प्रशिक्षण के 20 प्रतिभागियों को ड्रेस किट का वितरण किया गया। इसके साथ ही नि:शुल्क पौधा वितरण भी किया गया। कलेक्टर श्री सोनी ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनायें देते हुए कहा कि ऐसे अवसर एक दूसरे के साथ जुडने व जानने समझने के लिए होता है। एक दूसरे से जुड़ेंगे

तो समाज के बारे में जानकारी मिलेगी, समस्या या सुझाव मिलेंगे जिससे समाज की बेहतरी के लिए रास्ते निकलेंगे। उन्होंने कहा कि अपनी समस्या या बात रखने में संकोच न हो। अपनी बोली भाषा में भी बिना झिझक के समस्या या सुझाव के बारे में बता सकते हैं। समाज के विकास के लिए नवाचार पहल होनी चाहिए जिससे प्रशासन के सहयोग से आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने बताया कि जिले में मल्लखम्ब खेल प्रशिकण की शुरुआत हुई है। जिला प्रशासन द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से हुनर तराशने का प्रयास किया जा रहा है। सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष श्री भूपेंद्र ध्रुवंशी ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस सभी मूल निवासियों के लिए गौरव का दिन है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस घोषित किया है।आदिवासियों को प्रकृति के सान्निध्य में जीवन यापन करने का सौभाग्य मिला है।हमें सांवैधानिक अधिकार भी दिए गए हैं।इन अधिकारों के तहत हमें अपने समाज को आगे ले जाना है।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गौते, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार, संयुक्त कलेक्टर श्री बी.आर. ध्रुव, श्री मिथलेश डोंडे, एसडीओपी श्रीमती निधि नाग,सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री लोकेश्वर पटेल, डॉ. एस. एल. ध्रुव,सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश ध्रुव, टेक सिंह ध्रुव, कामेश मंडावी, अंजू नेताम,भानु ध्रुव,मनोहर मण्डावी सहित अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सामाजिकजन, अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

भक्तामर महिमा और उसके बीजाक्षरों में छिपी अपूर्व शक्ति : गुरुदेव विमर्श सागर जी

श्री दिगम्बर जैन मंदिर कृष्णानगर में परम पूज्यनीय जिनागम पंथ प्रवर्तक आदर्श महाकवि भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज का स्वर्णिम चातुर्मास 2024 अभूतपूर्व धर्म प्रभावना के साथ सानन्द सम्पन्न हो रहा है। भक्तामर महिमा में पूज्य आचार्य प्रवर श्री विमर्श सागर जी गुरुदेव के मुखारविन्द से श्री भक्तामर जी के एक- एक काव्य का शुद्धउच्चारण एवं उनके बीजाक्षरों में छिपी शक्ति का उद् ?घाटन होता है तो श्रीता मंत्र मुग्ध सा हो जाता है। बच्चों से लेकर बड़ों तक और बड़ों से लेकर वृद्धों तक सभी लालायित रहते हैं गुरुवर के श्रीमुख से भक्तामर की महिमा श्रवण करने के लिये ।आलम ये है कि प्रतिदिन सुबह-शाम सभागार के बाहर से ही साधर्मी जन क्लास अटेण्ड कर रहे हैं। प्रतिदिन धर्म सभा में पाँच

लोगों से एक काव्य शुद्धोच्चारण करवाया जाता है एवं पुरुष्कृत किया जाता है। आचार्य श्री ने अपने मंगल उद् ?बोधन में कहा कि - उपसर्ग परिसह,और जीवन के कठिन दौर में परमात्मा की भक्ति कैसे की जाती है। भक्त संकट को भी शान्ति में बदल लेता है। परमात्मा की भक्ति करने से पूर्व अपने आप को भक्ति के योग्य बनाना बहुत जरूरी है। भक्ति के पूर्व हृदय में परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव जरूरी है, भक्ति के पूर्व अपने अभिमान को नष्ट करना जरूरी है, प्रभु के सन्मुख अपने को आंकिचन मानना जरूरी है। जब ये सारी योग्यतायें हमारे अंदर आ जाती है तब हम परमात्मा की भक्ति करने के योग्य बन पाते हैं, इतनी योग्यता होने के बाद भी अगर परमात्मा के गुणों में अनुराग पैदा न हो, परमात्मा के गुण अपनी आत्मा में प्रगट करने का भाव न हो, स्वयं की आत्मा को परमात्मा बनाने का लक्ष्य जागृत न हो तो हमारी पूजा आदि धर्म क्रियायें भक्ति भी कोटी में नहीं आ सकती। पूज्य पुरुषों के गुणों में अनुराग का होना ही भक्ति है, गुणानुराग के बिना अंतस में भक्ति का जन्म नहीं होता। आज की धर्मसभा के श्रावक श्रेष्ठी बनने का सौभाग्य श्री अमित जैन श्री मति प्रीति जैन अरिहंत ग्राफिक्स परिवार को प्राप्त हुआ। साथ ही जैन युवा जागरण मंच छोटा बाजार से श्री मोहित जैन ,राहुल जैन आदि ने आशीर्वाद प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

गौ तस्करी करते पकड़ाया निगरानी बदमाश

कांकेर(विश्व परिवार)। पखांजूर पुलिस ने गौ तस्करी के मामले में निगरानी बदमाश बबलू मंडल को गिरफ्तार किया है। आरोपी 20 पशुओं को बिक्री करने के लिए कत्लखाने ले जा रहा था इसी दौरान पुलिस ने सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। मिल जानकारी के अनुसार गुरूवार 8 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली की निगरानी बदमाश बबलू मंडल पिता बिरेन्द्र मण्डल उम्र 40 वर्ष साकिन पीव्ही 114 भरतपुर थाना पखांजूर के द्वारा 20 नग पशुओं को इकटठा कर बिक्री हेतु कत्लखाना महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है। जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया तथा पशुओं को बरामद किया। मामले में पुलिस ने धारा- 4, 6, 10 छ.ग. कृषक पशु परि. अधिनियम 2004 एवं धारा 11 पशु के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया तथा आरोपी बबलू मण्डल को गिरफ्तार कर न्यायकि रिमाण्ड पर न्यायालय पेश किया गया। आरोपी बबलू मण्डल निगरानी बदमाश व आदतन अपराधी है तथा आरोपी के खिलाफ थाना पखांजूर में कई अपराधिक मामले दर्ज है।

ट्रेक्टर के गुप्त चेंबर में मिल दस लाख का गांजा

बालोद(विश्व परिवार)। बालोद जिले की पुरूर थाना पुलिस ने एक ट्रेक्टर से 10 लाख रुपए का गांजा जब्त किया है। तस्करों ने बड़ी चालाकी से ट्रेक्टर के नीचे गुप्त चेंबर बनाकर गांजा छिपाया था किंतु पुलिस की टीम ने धर दबोचा। मिली जानकारी के अनुसार पूरूर थाना क्षेत्र के ग्राम सोहतरा में पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक ट्रैक्टर को संदिग्ध हालत में खड़ा पाया। पुलिस ने ट्रैक्टर की तलाशी ली तो ट्रॉली के नीचे गप्त चैंबर बना मिला। जिसे खोला गया तो उसमें भारी मात्रा में गांजा मिला। पुलिस ने चेंबर से 103 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत लगभग 10 लाख रुपए आंकी गई है। आरोपियों ने बड़ी ही चालाकी से ट्रॉली के नीचे गुप्त चेंबर बनाकर गांजा छुपा रखा था, ताकि पुलिस की नजरों से बचा जा सके।

शौच के लिये जंगल गए व्यक्ति के ऊपर भालू ने किया हमला

गरियाबंद(विश्व परिवार)। शौच के लिए जंगल गए व्यक्ति के ऊपर हमला करने से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति का इलाज जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार करते हुए रायपुर भेजा गया।जिलामुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर ग्राम नागबूड़ा निवासी दुलेश कमार सुबह आठ बजे शौच के लिए रानी बछिया जंगल की ओर गया था उसी दौरान एक मादा भालू अपने दो बच्चों के साथ दुलेश ऊपर हमला कर दिया इस हमले से दुलेश की सिर चेहरा पीठ और जाँघ में गंभीर चोट लगी उसी दौरान नजदीक के लोगो के द्वारा हल्ला मचाते हुए भालू को भगाये और घायल व्यक्ति को गांव लेकर आए और जंगल विभाग को सूचना दिए,जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुँची और घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल लेकर आए जहाँ व्यक्ति का प्राथमिक उपचार किए और गंभीर स्थिति को देखते हुए रायपुर रिफ़र करने किया गया।

सिंगल विंडो सिस्टम से उद्योगपतियों को मिलेगी सहुलियत-कलेक्टर

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल की उपस्थिति में आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में वाण्ज्यि एवं उद्योग विभाग द्वारा सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।इस दौरान कलेक्टर ने जिले के उद्योगपतियों को बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार एवं वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 की शुरूआत मुख्यमंत्री द्वारा जुलाई 2024 में किया गया था।यह कार्य क्षमताओं और उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बढ़ाने में महत्वपूर्ण कदम होगा।इस दौरान संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा, सहायक प्रबंधक रविशंकर ध्रुव,प्रबंधक जनेश दीवान एवं जिले के उद्योगपति बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यशाला में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक दीनबंधु ध्रुव ने पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 से राज्य के उद्योगों को 16 विभागों के माध्यम से मिलने वाली 90 से अधिक सेवाएं उपलब्ध कराया जाएगा। उद्योगों को इस व्यवस्था का उपयोग करने के लिए रजिस्ट्रेशन करना आवश्यक है,जिसकी व्यवस्था उद्योग विभाग के अधिकारिक शासकीय बेबसाइट पर उपलब्ध है। उक्त कार्यशाला में जिले के सभी उद्यमियों एवं औद्योगिक संगठन को आमंत्रित किया गया है। औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि कार्यशाला में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सिंगल विण्डो सिस्टम 2.0 के माध्यम से उपलब्ध 16 विभागों से मिलने वाली 90 सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त किया।

कलेक्टर ने ग्राम भिलाई में शासकीय उचित मूल्य की दुकान एवं शासकीय आयुर्वेद औषधालय का किया निरीक्षण

हितग्राही की फिंगर प्रिंट लेकर बायोमेट्रिक पद्धति से राशन वितरण के प्रक्रिया का किया अवलोकन

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने बुधवार 07 अगस्त को दुर्ग जिले के सीमा एवं जिले के अंतिम छोर में स्थित गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम भिलाई में पहुँचकर शासकीय उचित मूल्य की दुकान एवं शासकीय आयुर्वेद औषधालय आरोग्य मंदिर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय उचित मूल्य की दुकान में हितग्राहियों के कुल राशन कार्ड, नवीनीकृत राशनकार्डों की संख्या तथा खाद्यान वितरण आदि के संबंध में मौके पर उपस्थित खाद्य निरीक्षक एवं विक्रेता से जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि राशन प्राप्त करने में हितग्राहियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई नही होनी चाहिए। श्री चन्द्रवाल ने अधिकारियों को सुगमता से शासकीय उचित मूल्य की दुकान में हितग्राहियों के लिए समुचित मात्रा में खाद्यान की उपलब्धता एवं वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ईपॉस मशीन के माध्यम से मौके पर उपस्थित हितग्राही का फिंगरप्रिंट कराकर बॉयोमेट्रिक पद्धति से राशन वितरण के प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस दौरान श्री चन्द्रवाल ने शासकीय उचित मूल्य दुकान के खाद्यान गोदाम का निरीक्षण कर गोदाम में उपलब्ध खाद्यानों का अवलोकन किया। इस दौरान श्री चन्द्रवाल ने ग्राम भिलाई के शासकीय आयुर्वेद औषधालय आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. पवन सिंह नागरे एवं औषधालय के कर्मचारियों से बातचीत कर अस्पताल में ईलाज आदि की व्यवस्था एवं प्रतिदिन आने वाले मरीज आदि के संख्या के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने औषधालय में ईलाज कराने हेतु पहुँचे मरीजों से बातचीत कर अस्पताल में ईलाज की व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया। राजनांदगांव जिले के मुड़पार से ईलाज हेतु ग्राम भिलाई के शासकीय आयुर्वेद अस्पताल में पहुँचे ग्रामीण श्री गैंदलाल ने बताया कि वे पिछले दो वर्षों से इस अस्पताल में ईलाज हेतु आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में ईलाज आदि सभी व्यवस्थाएं बहुत ही अच्छा है। इस दौरान कलेक्टर ने अस्पताल के ओपीडी कक्ष, योगा शेड आदि का भी निरीक्षण किया।

दूरस्थ बीहड़ ग्राम कोलर में कलेक्टर नीलेश महादेव ने चौपाल लगाकर सुनीं समस्याएं

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में मिले 197 आवेदन

कांकेर(विश्व परिवार)। जिले के अंतागढ़ विकासखण्ड के दूरस्थ बीहड़ अंचल के ग्राम कोलर में आज कलेक्टर नीलेश महादेव क्षीरसागर ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों की विभिन्न मांगें व समस्याएं सुनीं। यहां पर जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विभिन्न विभागों को ग्रामीणों की ओर से कुल 197 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका यथासंभव निराकरण मौके पर किया गया तथा शेष आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाएगा। इस अवसर पर कलेक्टर क्षीरसागर के समक्ष बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी मांग और समस्याएं बताई। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त आवेदनों के यथासंभव निराकरण हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान काफी संख्या में मौजूद ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि इस क्षेत्र की सबसे प्रमुख मांग अंतागढ़ से नारायणपुर मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य है, जिसकी स्वीकृति अंतिम चरण में है। वन विभाग से क्लियरेंस मिलते ही प्रशासकीय स्वीकृति उपरांत सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रावघाट परियोजना के प्रभावित जो अपात्र होने के कारण नियमानुसार जिन्हें सहायता नहीं मिल पाई है, उन्हें भी राहत पहुंचाने राज्य शासन के समक्ष निर्णय हेतु भेजा गया है। कलेक्टर ने आगे कहा कि आज शिविर में प्राप्त आवेदनों पर शत-प्रतिशत निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इस दौरान जनपद पंचायत अंतागढ़ के अध्यक्ष बद्रीनाथ गावड़े ने भी शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए ग्रामीणों से अधिक से अधिक शासन का लाभ उठाने की अपील की। शिविर में कलेक्टर एवं जनपद अध्यक्ष के द्वारा हितग्राहियों को जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र और कृषक ऋण पुस्तिका वितरित की गई। ग्राम कोलर में आयोजित शिविर में 'एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वन और उद्यानिकी विभाग द्वारा विभिन्न प्रजाति के पौधे वितरित किए गए। इस अवसर पर एडीएम बी. एस. उइके, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमित अग्रवाल, एसडीएम अंतागढ़ एन. के. बंजारा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

सीईओ जिला पंचायत ने किया शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के अंतर्गत चल रहे कार्यों का निरीक्षण

कार्य को समय-सीमा में पूरा करने दिए निर्देश

बालोद(विश्व परिवार)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने गुरूर विकासखण्ड के ग्राम कनेरी पहुँचकर केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के अंतर्गत चल रहे कार्यों का औचक निरीक्षण किया। डॉ. कन्नौजे ने प्रस्तावित मॉडल अमृत सरोवर, लखपति दीदी योजना और जनपद कार्यालय के सभी शाखाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत कनेरी में कंकालिन मंदिर के समीप तालाब को मॉडल अमृत सरोवर चिन्हाकिंत किया। इस दौरान डॉ. कन्नौजे ने जनपद सीईओ और एसडीओ आरईएस को योजना अंतर्गत चल रहे कार्य को समय-सीमा पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। सीईओ डॉ. कन्नौजे ने लखपति दीदी योजना के तहत् अर्पणा महिला स्व. सहायता समुह, जय महालक्ष्मी स्व. सहायता समुह के महिलाओं से चर्चा की। इस दौरान महिला समूह की अध्यक्ष श्रीमती नीलम सिन्हा ने बताया कि महिला समुह द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियो का संचालन किया जा रहा है। जिसमें सिलाई प्रशिक्षण कार्य, कपड़ा बेचने एवं सिलाई कार्य के साथ ब्यूटी पार्लर का भी संचालन कर रही है। सीईओ ने जनपद कार्यालय के समस्त शाखा प्रभारियों को कार्यालयीन दस्तावेजो एवं निर्माण कार्यो के नस्ती को व्यवस्थित तरीके से रखने एवं कार्यालय की स्वच्छता पर ध्यान देने के निर्देश दिए। इस दौरान उपसंचालक पंचायत श्री आकाश सोनी, जनपद सीईओ श्री उमेश रात्रे, एसडीओ (आरईएस) श्री मुकेश देंवागन, एपीओ मनरेगा श्री ओ.पी. साहू, एपीओ बिहान श्री नितेश साहू, श्री राकेश मानकर बिहान योजना एवं जनपद स्तर के उपअभियंता, तकनीकी सहायक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

हरियाली बहिनी के पेड़ लगाबोन- पैसा कमाबोन अभियान सराहनीय - कलेक्टर जयवर्धन

मोहला(विश्व परिवार)। ग्राम- कु डुम में हरियाली बहिनी के द्वारा आयोजित पेड़ लगाबोन- पैसा कमाबोन अभियान के अंतर्गत फलदार - पौधा रोपण में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन पहुँचकर महिलाओं के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि, इस अभियान से महिलाए आर्थिक रूप में संबल होगी साथ ही पर्यावरण एवं जल संरक्षण में महत्वपूर्ण अदा करेंगी। हरियाली बहिनी के द्वारा घर के बाड़ी, खेतों के मेढ़ में फलदार रोपण कर अतिरिक्त आय का जरिया बना रही हैं उन्होने आगे कहा कि जंगल को सुरक्षित रखे , स्वंय के पड़त जमीन को खाली न छोड़े उसमें जमीन के हिसाब से वृक्षारोपण एवं अन्य फसल ले जिससे और आय हो सके, वन विभाग के किसान वृक्ष सम्पदा योजना का लाभ ले सकते है। 15 से 20 वर्ष में सगौन के एक पेड़ से एक लाख की आमदानी होती है। किसान 15 पेड़ लगाकर 15 लाख तक आमदानी पा सकते है। धान की खेती के कुछ एरिया में अन्य फसल लेना चाहिए इससे आमदानी बढ़ेगी उन्होने आगे कहा कि, स्वच्छता अभियान के अंतर्गत शौच मुक्त काफी हद तक हुआ है अब हमें कचरा का निपटारा करना है इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कचरा को अलग-अलग करने से आर्थिक लाभ हो सकता है। इस दौरान हरियाली बहिनी पेड़ लगाबोन- पैसा कमाबोन के संयोजक शिवकुमार देवांगन ने कहा कि, गांव-गांव में हरियाली बहिनी के द्वारा फलदार - पौधा रोपण कर रही है।

जिले में चलेगा हर घर तिरंगा अभियान

स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान आयोजित होगी तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां एवं तिरंगा दौड़

गरियाबंद(विश्व परिवार)। देश की आजादी का प्रतीक तिरंगा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के हर घर में लहराएगा। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।इसके तहत 9 से 15 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह का आयोजन कर विविध गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत सभी नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।''हर घर तिरंगा''अभियान से नई पीढ़ी के साथ-साथ सभी लोगों में राष्ट्रीय भावना जगेगी और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गौरव और सम्मान भी बढ़ेगा।स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान जिले में तिरंगा यात्राएं,तिरंगा रैलियां,तिरंगा दौड़और मैराथन जैसे अनेक देश-भक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।तिरंगा अभियान में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान तिरंगा प्रतिज्ञा ली जाएगी।कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान ''हर घर तिरंगा'' कार्यक्रम को गंभीरता पूर्वक क्रियान्वित करने तथा लोगों को अपने घरों में तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है।साथ ही इन कार्यक्रमों में जिले के अंतर्गत सार्वजनिक उपक्रमों,स्व-सहायता समूहों,सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को भी कहा है। स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों को तिरंगा के साथ सेल्फी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवारों को स्थानीय कार्यक्रमों में आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ तिरंगा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए स्थानीय स्तर पर बाइक,सायकल और कार रैलियां आदि निकाली जाएगी।जिसमें युवा स्वयं सेवकों,विभिन्न संगठनों और विभिन्न राज्यों की प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी होगी।सभी उम्र के लोग इसमें शामिल होकर राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करेंगे।तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में खेल और फिटनेस से जुड़े लोगों को भागीदारी करने और ब्लॉग बनाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।संस्कृति मंत्रालय द्वारा ब्लॉगर और इंफ्लुएंसर के परिचय के लिए यू-ट्यूब क्रिएटर प्रोग्राम साझा करेगा।

राष्ट्रीय ध्वज फहराकर करें गर्व एवं एकता का अनुभव - कलेक्टर

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत 9 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक आयोजित हर घर तिरंगा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि भारतीय ध्वज तिरंगा राष्ट्र का प्रतीक है। इस गौरव को संवर्धित करने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत 9 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक आयोजित हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत सभी भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि आम जन में देशभक्ति की भावना विकसित हो तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में वृद्धि हो। जिले में इसके लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को तिरंगा रैली का आयोजन रामकृष्ण नगर से दोपहर 2.30 बजे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की उपस्थिति में किया जाना है। 10 अगस्त को स्कूल एवं महाविद्यालयों में तिरंगा यात्रा का आयोजन, 12 अगस्त को स्कूलों में तिरंगा कॉन्सट्र्स एवं 13 अगस्त को महाविद्यालयों में तिरंगा कॉन्सट्र्स का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारी करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के लिए वेबसाईट में सोशल मीडिया का उपयोग कर जागरूकता लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा अंतर्गत युवा, वृद्ध, पुरूष, महिलाएं सभी शामिल हो सकते हैं और राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान कर सकते हैं। जिससे राष्ट्रीय गर्व एवं एकता का अनुभव हो। उन्होंने कहा कि पोस्ट ऑफिस में तिरंगे झंडे उपलब्ध रहेंगे, इसके साथ ही समूह की महिलाओं द्वारा तिरंगा झंडा बनाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में जिले के नागरिकों की व्यापक सहभागिता होनी चाहिए। उन्होंने तिरंगा रैली, तिरंगा मैराथन, तिरंगा कॉन्सट्र्स, तिरंगा कैनवास, तिरंगा प्रतिज्ञा, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा सम्मान एवं तिरंगा मेला के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिले के अन्तर्गत सार्वजनिक उपक्रमों, स्वसहायता समूहों, सामाजिक संगठनों के सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट और निजी संगठनों को भी भाग लेने और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करना है। शासकीय स्तर पर प्रत्येक गांव में तिरंगा वितरण और बिक्री केन्द्र स्थापित करें। ग्राम पंचायतों द्वारा बड़े पैमाने पर समूह में खरीदी को प्रोत्साहित करने, समस्त शासकीय भवनों एवं संस्थानों में तिरंगा फहराना सुनिश्चित करने कहा। पैम्पलेट, बैनर, स्टैण्डिज आदि के माध्यम से स्वतंत्रता सप्ताह हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कहा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह तोमर, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता, एसडीएम राजनांदगांव श्री अतुल विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में देश भक्ति संगीत के साथ सार्वजनिक स्तर पर तिरंगा कॉन्सट्र्स आयोजित किए जाएंगे। कॉन्सट्र्स में तिरंगा एन्थम की प्रस्तुति दी जाएगी।

व्यापार समाचार

मौद्रिक नीति के ऐलान से पहले लाल निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत गुरुवार को लाल निशान में हुई है। करीब सभी सूचकांकों में गिरावट है। सुबह 9.20 पर सेंसेक्स 214 अंक या 0.27 प्रतिशत गिरकर 79,253 और निफ्टी 75 अंक या 0.31 प्रतिशत गिरकर 24,222 अंक पर था। अब तक सेंसेक्स ने 79,142 और 79,422 की रेंज में कारोबार किया है। वहीं, निफ्टी ने 24,198 का न्यूनतम स्तर और 24,260 का उच्चतम स्तर छुआ है। हालांकि, बाजार का रुझान सकारात्मक नजर आ रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 1,039 शेयर हरे और 956 शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स, आईटीसी, टाइटन, एचयूएल, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक टॉप गेनर्स हैं। इन्फोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, विप्रो, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और पावर ग्रिड टॉप लूजर्स हैं। आईटी, पीएसयू बैंक, फिन सर्विस, एफएमसीजी, इन्फ्रा और मेटल इंडेक्स में गिरावट हैं। रियल्टी, मीडिया, फार्मा और हेल्थकेयर में तेजी बनी हुई है। लार्ज कैप की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट कारोबार हो रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2 अंक की मामूली तेजी के साथ 56,876 और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 36 अंक या 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,420 पर बना हुआ है। चॉइस ब्रोकिंग का कहना है कि निफ्टी की गैप-डाउन ओपनिंग के बाद 24,150, 24,100 और 24,000 एक अहम सपोर्ट लेवल होने वाला है। वहीं, ऊपरी स्तरों पर 24,300, 24,400 और 24,500 एक रुकावट का स्तर है। ब्रोकिंग की ओर से आगे कहा गया कि इस बार ब्याज दरों में किसी प्रकार के बदलाव की उम्मीद नहीं है। आरबीआई गवर्नर का बयान बाजार के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि वैश्विक स्तर पर अस्थिरता देखी जा रही है।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च की कर्व ईवी कीमत 17 .49 लाख से शुरू

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय ऑटोमोटिव कंपनी टाटा मोटर्स की ओर से नई इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा कर्व ईवी को लॉन्च किया गया है। इसकी शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 17.49 लाख रुपये रखी गई है और इसके सबसे ऊंचे मॉडल की शुरुआती कीमत 21.99 लाख रुपये है। टाटा कर्व ईवी में 45 किलोवाट और 50 किलोवाट के दो बैटरी पैक दिए गए हैं, जिनकी रेंज क्रमश- 502 किलोमीटर और 585 किलोमीटर है। यह गाड़ी 0 से 100 किलोमीटर की स्पीड 8.6 सेकंड में छू सकती है। कंपनी की ओर से कहा गया कि ये ईवी 15 मिनट में 150 किलोमीटर की रेंज तक चार्ज हो सकती है। टाटा कर्व ईवी में तीन मोड ईको, सिटी और स्पोर्ट दिए गए हैं। टाटा कर्व ईवी में 31.24 सेंटीमीटर की हरमन की टचस्क्रीन, 26.03 सेंटीमीटर का डिजिटल कॉकपिट और जेबीएल साउंड सिस्टम, एडवांस ओटीए क्षमताएं, स्मार्टवॉच कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स दिए गए हैं। टाटा कर्व में ऑटोमेटिक हेडलैंप, ऑटोमेटिक वाइपर, ऑटोमेटिक टेंपरेचर कंट्रोल, क्रूज कंट्रोल, कीलेस एंट्री और पुश-बटन स्टार्ट-स्टॉप बटन दिया गया है। टाटा मोटर्स ने आगे कहा कि कंपनी भविष्य में दो पेट्रोल इंजन और एक डीजल इंजन के इस एसयूवी को लॉन्च करेगी। यह 6-स्पीड मैनुअल और 7-स्पीड के ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आएगी। यह गोल्ड एसेंस, डेटोना ग्रे, प्रिस्टीन व्हाइट, फ्लेम रेड, प्योर ग्रे और ओपेरा ब्लू रंगों में आएगी।

यूपीआई प्लेटफॉर्म पर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल नई ऊंचाई पर पहुंचा

मुंबई(एजेंसी)। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) पर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल मासिक आधार पर 10,000 करोड़ रुपये के स्तर को पार कर गया है। एनपीसीआई के सीईओ की ओर से यह जानकारी दी गई है। यूपीआई, भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) का हिस्सा है। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सीईओ और प्रबंधक निदेशक दिलीप अस्बे के कहा कि यूपीआई के माध्यम से क्रेडिट कार्ड खर्च प्रति माह 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। एनपीसीआई के सीईओ की ओर से बताया गया कि यूपीआई अकाउंट पर क्रेडिट लाइन की सुविधा का लोग काफी इस्तेमाल कर रहे हैं और इसका आंकड़ा 100 से 200 करोड़ के बीच पहुंच गया है। उन्होंने आगे कहा कि यूपीआई प्लेटफॉर्म पर क्रेडिट लाइन यूपीआई की सुविधा 6 बैंकों की ओर से ऑफर की जा रही है। आईसीआईसीआई बैंक इसका नेतृत्व कर रहा है। एनपीसीआई ने क्रेडिट लाइन ऑन यूपीआई सुविधा पिछले साल शुरू की थी। इसका उद्देश्य लोगों और बिजनेस को छोटे लोन उपलब्ध कराना था। आईसीआईसीआई बैंक के अलावा एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, इंडियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) यूपीआई प्लेटफॉर्म पर क्रेडिट लाइन की सुविधा दे रहे हैं। वहीं, भीम, गूगल पे, पेटीएम, पेजैप, नावी और टाटा न्यू जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। आप रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक कर आसानी से लेनदेन कर सकते हैं। मौजूदा समय में यूपीआई प्लेटफॉर्म पर 16 बैंक रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई लिंक करने की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। यूपीआई लेनदेन जुलाई में सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़कर 20.64 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया था, जो कि जून में 20.07 लाख करोड़ रुपये था। यूपीआई लेनदेन की संख्या जुलाई में मासिक आधार पर 4 प्रतिशत बढ़कर 14.44 अरब पर पहुंच गई थी, जो कि जून में 13.89 अरब थी। जुलाई में औसत प्रतिदिन लेनदेन की संख्या 46.6 करोड़ रही है, जो कि जून में 46.3 करोड़ थी। वहीं, प्रतिदिन होने वाले लेनदेन की औसत वैल्यू जुलाई में 66,590 करोड़ रुपये थी। यह दिखाता है कि देश में लोग तेजी के डिजिटल भुगतान को अपना रहे हैं।

विनेश के संन्यास पर बोले साक्षी मलिक बजरंग पुनिया : तुम हारी नहीं हो

नई दिल्ली(एजेंसी)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया ने पेरिस ओलंपिक से विनेश फोगाट के डिसक्वालीफिकेशन और बाद में उनके संन्यास के फैसले पर दुख व्यक्त किया है। 29 वर्षीय विनेश को बुधवार को 50 किग्रा वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण डिसक्वालीफाई कर दिया गया था। विनेश के संन्यास पर प्रतिक्रिया देते हुए, टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया ने एक्स पर पोस्ट किया, विनेश, आप हारी नहीं है, आपको हराया गया है। उन्होंने आगे लिखा, हमारे लिए हमेशा आप विजेता ही रहेंगी, आप भारत की बेटी के साथ-साथ भारत का अभिमान भी हो। खेल के मैदान में दिल टूटने के बाद विनेश ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की। विनेश ने लिखा, मां, कुश्ती जीत गई, मैं हार गई। कृपया मुझे, आपके सपनों और मेरी हिम्मत को माफ कर दें, सब कुछ टूट गया है। इसमें आगे लिखा था, अब मुझमें और ताकत नहीं है। अलविदा कुश्ती 2001-2024। मैं आप सभी की ऋणी रहूंगी। मुझे माफ कर दें। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी ने भी विनेश के संन्यास लेने के फैसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने विनेश का हौसला बढ़ाया और उनके जज्बे को सलाम किया। साक्षी ने एक्स पर पोस्ट किया, विनेश तुम नहीं हारी, हर वो बेटी हारी है, जिनके लिए तुम लड़ी और जीती। ये भारत देश की हार है। देश तुम्हारे साथ है। खिलाड़ी के तौर पर आपके संघर्ष और जज्बे को सलाम। विनेश ने मंगलवार को ओलंपिक के फाइनल में पहुंच कर इतिहास रच दिया था। टोक्यो ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उनकी वापसी की कहानी दिल टूटने के साथ समाप्त हुई। पेरिस ओलंपिक के फाइनल मैच से पहले उनका वजन अधिक पाया गया और उन्हें प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश का वजन 50 किलोग्राम की सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया और इस तरह उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के नियमों के अनुसार उन्हें अंतिम स्थान दिया गया।

आपके संघर्ष और चुनौतियों को सदियों तक याद रखा जाएगा : ऋतु फोगाट

नई दिल्ली(एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में अयोग्य घोषित होने के बाद विनेश फोगाट के संन्यास लेने की चौंकाने वाली खबर से पूरा देश स्तब्ध रह गया। 29 वर्षीय विनेश के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए उनकी चचेरी बहन ऋतु फोगाट ने कहा कि विनेश की चुनौतीपूर्ण कुश्ती यात्रा को सदियों तक याद रखा जाएगा। पेरिस ओलंपिक से डिसक्वालीफाई होने के ठीक एक दिन बाद विनेश ने गुरुवार सुबह अपने संन्यास की घोषणा की। उनके इस फैसले से देश हैरान जरूर है, लेकिन हर कोई उनके फैसले का सम्मान और उनकी हौसला अफजाई कर रहा है। ऋतु ने एक्स पर शेयर लिखा, आपका यह संघर्षपूर्ण कुश्ती का सफर और चुनौतियां सदियों तक याद रखी

जायेगी !आपका नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षर से लिखा जायेगा, आप करोड़ों लड़कियों की प्रेरणा हो, उम्मीद हो, जीत हो। हमें आप पर गर्व है। विनेश की चचेरी बहन संगीता फोगाट ने लिखा, हमने बचपन से देखा है विनेश को हर चीज के लिए लड़ते हुए और हार के बाद दोबारा उठ कर लड़ते हुए! सदियों तक आपके जज्बे और संघर्ष को याद रखा जायेगा। आप सभी लड़कियों की आदर्श हैं। आपका इस तरह कुश्ती को अलविदा कहना पूरे परिवार के साथ पूरे देश के लिए बहुत दुखद है। विनेश ने मंगलवार को ओलंपिक के फाइनल में पहुंच कर इतिहास रच दिया था। टोक्यो ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उनकी वापसी की कहानी दिल टूटने के साथ समाप्त हुई। पेरिस ओलंपिक के फाइनल मैच से पहले उनका वजन अधिक पाया गया और उन्हें प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश का वजन 50 किलोग्राम की सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया और इस तरह उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया।

भारत का लाइफ स्टाइल मार्केट 2028 तक 210 अरब डॉलर को छू सकता है: रिपोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में तेज आर्थिक गति से खर्च योग्य आय बढ़ने के कारण लाइफस्टाइल मार्केट 10 से 12 प्रतिशत के सीएजीआर से बढ़कर 2028 तक 210 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है, जो कि फिलहाल 130 अरब डॉलर का है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। बैन एंड कंपनी और मंत्रा की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि देश का ऑनलाइन फैशन और लाइफस्टाइल मार्केट 16 से 17 अरब डॉलर बढ़कर 40 से 45 अरब डॉलर तक 2028 तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि लाइफस्टाइल में ई-कॉमर्स की हिस्सेदारी में आने वाले वर्षों में बढ़त देखने को मिलेगी। यह मौजूदा 13 प्रतिशत से बढ़कर 2028 तक 18 से 22 प्रतिशत पर पहुंच सकती है। इसका मतलब यह है कि आने वाले वर्षों में लाइफस्टाइल सेक्टर में आने वाला पांच में से एक रुपया ऑनलाइन माध्यम से आएगा। मौजूदा समय में भारत में 17.5 करोड़ लोग ऑनलाइन माध्यम से लाइफस्टाइल उत्पाद खरीदते हैं और प्रति वर्ष 6 से 7 औसत लेनदेन करते हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि जेन-जेड द्वारा ऑनलाइन शॉपिंग मार्केट का नेतृत्व किया जा रहा है। वहीं, गैर-जेन-जेड कैटेगरी के लोग अधिक ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं और यह 8 से 9 लेनदेन प्रति वर्ष करते हैं। ई-लाइफस्टाइल में फैशन की हिस्सेदारी 75 से 80 प्रतिशत की है। वहीं, ब्यूटी और पर्सनल केयर का नंबर इसके बाद आता है। रिपोर्ट में बताया गया कि दुनिया के टॉप 50 ग्लोबल लाइफस्टाइल ब्रांड में से 90 प्रतिशत भारत में एक्टिव हैं और आधे से ज्यादा 30 मिलियन से ज्यादा की आय आर्जित कर रहे हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि महंगाई कम होने, जेन-जेड शॉपर्स की संख्या में इजाफा होने और औपचारिक रिटेल की तरफ लोगों का रुझान होने के चलते लाइफस्टाइल सेक्टर में बढ़त देखने को मिलेगी।

सैमसंग इस महीने खासतौर से भारत के लिए बनाई गई एआई-पावर्ड वॉशिंग मशीन लॉन्च करेगा

नईदिल्ली। एआई-पावर्ड वॉशिंग मशीन में रोजाना की जरूरतों को पूरा करने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी दी गई है, जो कपड़े धोने की प्रक्रिया को बेहद आसान और सुविधाजनक बनाएगी। यह मशीन ग्राहकों को कपड़े धोने का शानदार अनुभव देगी और यह उन्हेंउ कम मेहनत करने और अधिक जीने (डू लेस एंड लिव मोर) के सैमसंग के नजरिये से मेल खाती है। सैमसंग के पास 1974 से वॉशिंग मशीनों में नए-नए आविष्कार करने की एक शानदार विरासत है, जब कंपनी ने अपनी पहली वॉशिंग मशीन लॉन्च की थी। 1979 में, सैमसंग ने अपनी पहली ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन पेश की, जिसने एक ही टच से कपड़े धोने और निचोड़ने का काम किया, जिससे कपड़े धोना बहुत आसान हो गया। 1997 में, सैमसंग ने फ्रंट-लोडिंग वॉशिंग मशीन लॉन्च की, जिसने कपड़े धोते समय उनके नुकसान को कम किया और उच्च तापमान पर कपड़े धोने की क्षमता दी, जिससे कपड़ों की देखभाल का नया मानक स्थापित हुआ। वर्ष 2008 में, सैमसंग इकोबबल वॉशिंग मशीन लॉन्चत कर कपड़े धोने की दुनिया में बड़ा बदलाव लेकर आया। यी पहली वॉशिंग मशीन थी जिसमें दमदार सफाई के लिए बबल टेक्नो लॉजी का उपयोग किया गया था। इसके बाद, 2014 में एक्टिव डुअलवॉश टेक्नोललॉजी को पेश किया गया, जिसने अपनी अनूठी वॉबल तकनीक और बिल्ट-इन सिंक के साथ उपभोक्ताओं की सहूलियत को और बढ़ा दिया। इस वॉशिंग मशीन के आने से कपड़ों का प्री-ट्रीटमेंट पहले से कहीं अधिक आसान हो गया। सैमसंग ने नए-नए प्रोडक्ट्से लाने की अपनी परंपरा को जारी रखते हुए, 2017 में, फ्लेक्सवॉश वॉशिंग मशीन पेश की। इस मशीन में दो अलग-अलग वॉशर थे जिन्हें कपड़े धोने की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

फिर 2021 में, सैमसंग ने भारत की पहली एआई-इनेबल्डी इकोबबल वॉशिंग मशीन लॉन्चन कर स्मार्ट लॉन्ड्री समाधान में एक नया मानक स्थापित किया। इस मशीन में उन्नडत एआई टेक्नो लॉजी थी जिसकी मदद से भारतीय घरों के लिए कपड़े धोने का तरीका और भी अच्छा हो गया। सैमसंग हमेशा नए-नए प्रोडक्ट्सै बनाने में सबसे आगे रहा है। इस महीने के अंत में, कंपनी अपनी नई वाशिंग मशीन लाने वाली है। यह मशीन कपड़े धोने के तरीके को पूरी तरह बदल देगी और एक नये युग की शुरुआत करेगी।

कार्यालय कलेक्टर (जिला निर्माण समिति) जिला नारायणपुर (छ0ग0)

पत्र क्र0 /217/जि.नि.समिति/2024-25 नारायणपुर, दिनांक 05/08/2024

मैन्युअल पद्धति प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत "बी" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल पद्धति द्वितीय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।

01. निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि :- 28/08/2024 सांय 5.00 बजे तक
02. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि :- 12/09/2024 सांय 5.00 बजे तक
03. निविदा खोले जाने की तिथि :- 13/09/2024 अपरांह्न 3.00 बजे तक

स.क्र.	कार्य का नाम	ठेके की लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जो वापसी योग्य नही है।) (रूपये में)
01	नवीन स्वामी आत्मानंद स्कूल हेतु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओरछा में जीर्णोद्धार एवं निर्माण कार्य	339.21	2,54,407/-	3000/-

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, निविदा विज्ञप्ति, निविदा प्रपत्र एवं निविदा से संबंधित अन्य विवरण/जानकारी कार्यालयीन अवधि में जिला निर्माण समिति नारायणपुर (कार्यालय जिला पंचायत नारायणपुर, द्वितीय तल) से प्राप्त की जा सकती है, एवं आवेदन के साथ लोक निर्माण विभाग का ई-पंजीयन प्रस्तुत कर निविदा प्रपत्र प्राप्त की जा सकती है।

नोडल अधिकारी
जिला निर्माण समिति
जिला नारायणपुर (छ0ग0)

G-242501709/4

कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा) जिला उत्तर बस्तर कांकेर

// संक्षिप्त निविदा //

क्रमांक/आवि. / निर्माण/एनआईटी क्र.-03/2024-25 कांकेर, दिनांक 07/08/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य एवं मैनुअल निविदा प्रथम बार आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु D में श्रेणी एवं उच्च, ठेकेदार पात्र होंगे। प्रति निविदा पत्र की कीमत कार्य लागत अनुसार 750 एवं 300 रुपए है, कार्य पूर्ण करने की अवधि 03 माह वर्षा ऋतु सहित होगी।

1. निविदा पत्र आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि - 21/08/2024 (सायं 5.30 बजे तक)
2. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - 22/08/2024 (5.30 बजे तक)
3. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि - 29/08/2024 (सायं 5.30 बजे तक)
4. निविाद खोले जाने की तिथि - 30/08/2024 9(पूर्वान्ह 11.00 बजे)

इस कार्य की विस्तृत निविदा कार्यालय में देख सकते हैं।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की निविदा राशि (लाख में)	धरोहर राशि
1	2	3	4
1	प्री.मै. आदिवासी कन्या छात्रावास कंदाड़ी में आहाता निर्माण एवं फैसिंग कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	3.17	3500
2	प्री.मै. आदिवासी कन्या छात्रावास कंदाड़ी में किचन शेड निर्माण कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	0.70	1500
3	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास कौड़ोसाल्हेभाट में भवन जीर्णोद्धार कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	3.94.	4000
4	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास कौड़ोसाल्हेभाट में शौचालय एवं स्नानागार निर्माण कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	3.50	3500
5	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास कौड़ोसाल्हेभाट में आहाता निर्माण एवं फैसिंग कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	2.22	2500
6	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास कौड़ोसाल्हेभाट में बोरवेल खनन एवं पंप फिटिंग कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	1.92	2000
7	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास केसेरोड़ी में भवन जीर्णोद्धार कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	5.70	5500
8	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास केसेकोड़ी में शौचालय एवं स्नानागार निर्माण कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	3.50	3500
9	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास केसेकोड़ी में अहाता निर्माण एवं फैसिंग कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	3.50	3500
10	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास केसेकोड़ी में किचन शेड निर्माण कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	0.70	1500
11	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास केसेकोड़ी में बोरवेल खनन एवं पंप फिटिंग कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	1.92	2000
12	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास छोटेबेठिया में बोरवेल खनन एवं पंप फिटिंग कार्य, वि.खं. कोयलीबेड़ा	1.92	2000
13	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास बंडापाल में किचन शेड निर्माण कार्य, वि.खं. अंतागढ़	0.70	1500
14	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास बंडापाल बोरवेल खनन एवं पंप फिटिंग कार्य, वि.खं. अंतागढ़	1.92	2000
15	प्री.मै. आदिवासी कन्या छात्रावास उसेली में जीर्णोद्वार कार्य, वि.खं. अंतागढ़	5.00	5000
16	प्री.मै. आदिवासी कन्या छात्रावास उसेली में शौचालय एवं स्नानागार निर्माण कार्य, वि.खं. अंतागढ़	3.50	3500
17	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास नागरबेड़ा में जीर्णोद्वार कार्य, वि.खं. अंतागढ़	3.00	3000
18	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास नागरबेड़ा में किचन शेड निर्माण कार्य, वि.खं. अंतागढ़	0.70	1400
19	नवीन प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास दुर्गूकोंदल में जीर्णोद्वार कार्य, वि.खं. दुर्गूकोंदल	6.19	6000
20	प्री.मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास कांकेर मं रिटर्निंग वाल, अहाता, प्रीकास्ट, ईंटरलाकिंग कांक्रीट ब्लाक रोड निर्माण एवं जीर्णोद्वार कार्य, वि.खं. कांकेर	9.28	7000
21	पो.मै. अन्य पिछड़ा कन्या छात्रावास कांकेर में किचन कक्ष निर्माण एवं मरम्मत कार्य, वि.खं. कांकेर	3.49	3500
22	पो.मै. अन्य पिछड़ा वर्ग बालक छात्रावास कांकेर में प्रीकॉस्ट ईंटरलाकिंग कांक्रीट ब्लाक रोड निर्माण एवं जीर्णोद्वार कार्य, वि.खं. कांकेर	5.58	5500

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास कांकेर

जी-242501721/4

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 10 अगस्त 2024

संक्षिप्त समाचार

नियद नेल्लानार योजना से छात्र बन रहे आत्मनिर्भर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में बस्तर संभाग के माओवादी आतंक से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक तरफसुरक्षा कैंपों की सख्या बढ़ायी जा रही है। वहीं सुरक्षा कैंपों के आसपास 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में केन्द्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए नियद् नेल्लानार जैसी नवाचारी योजनाओं की शुरूआत की गई है। इस योजना के बेहतर और सार्थक परिणाम मिल रहे हैं। लोगों का विश्वास फिर से शासन-प्रशासन के प्रति लौटने लगा है। नियद नेल्लानार योजना से युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। युवा पढ़ाई के साथ साथ अपनी पसंद के ट्रेडस में प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा है। बेहतर शिक्षा के साथ उनका कौशल उन्नयन किया जा रहा है। दंतेवाड़ा जिले में शासन की महत्वकांक्षी योजना ''नियद नेल्लानार योजना'' के तहत बासनपुर कैंप के अंतर्गत आने वाले ग्राम गामावाड़ा की 21 महिलाओं को आजीविका के नये संसाधनों से जोड़ने के लिए हथकरघा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत लाइवलीहुड कॉलेज में 12 छात्र भी एसोसिएट, डेस्कटॉप, असिस्टेंट, हैंड एंब्रॉयडरी, टू व्हीलर सर्विस असिस्टेंट ट्रेड में प्रशिक्षण ले रहे हैं। ज्ञात हो कि ''नियद नेल्लानार योजना'' एवं प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के तहत जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को हुनरमंद बनाने के तहत विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण सत्र चलाये जा रहे हैं। यह एक ऐसा अवसर है जिसमें बेरोजगार युवक-युवतियां किसी भी टेड्ड में प्रशिक्षण लेकर स्वावलंबी बन सकते है।

कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

कोरिया। आज कोरिया कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी अचानक जिला अस्पताल का निरीक्षण करने के लिए सुबह करीब 8 बजे पहुंची। उन्होंने इस दौरान विभिन्न वार्डो का निरीक्षण भी किया। लापरवाही, उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने अस्पताल में पसरी गंदगी पर जिम्मेदार डॉक्टरों व अस्पताल प्रशासन को कड़े शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मरीजों को उचित दवाई और देखभाल करना आपकी जिम्मेदारी है, इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन हर सुविधा मुहैया करा रही है, उसका लाभ मरीजों और आम लोगों को मिले, यह आपकी जिम्मेदारी है, लेकिन आप लोगों ने अपनी लापरवाही व उदासीनता के कारण अस्पताल की व्यवस्था चरमरा रही है। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने हर वार्ड का सूक्ष्म निरीक्षण किया। उन्होंने वार्डों में डस्टबिन डिब्बा नहीं होने पर, परिसर व वार्डो में साफ-सफाई के आभाव, अस्पताल में लचर अव्यवस्था पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने डायलिसिस कक्ष, शिशु वार्ड, प्रसव कक्ष, ओपीडी, सीटी स्कैन, लैब कक्ष आदि स्थानों पर पहुंचकर सीधे मरीजों व वहाँ कार्यरत कर्मियों से इलाज के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की, दवाई, टेस्ट, डॉक्टर की उपस्थिति के सम्बंध में भी जानकारी प्राप्त की। औचक निरीक्षण कर कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने मरीजों को दी जा रही ।

महाप्रबंधक सुश्री नीनु इटियेरा ने पी पी यार्ड एवं इलेक्ट्रिक लोको शेड-भिलाई का निरीक्षण किया

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेल की महाप्रबंधक सुश्री नीनु इटियेरा द्वारा 09 अगस्त, 2024 को रायपुर रेल मंडल के पी पी यार्ड एवं इलेक्ट्रिक लोको शेड- भिलाई का निरीक्षण किया गया 7 इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार सहित बिलासपुर मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्ष रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं पर्यवेक्षक मौजूद रहे ।

महाप्रबंधक महोदया ने पी पी यार्ड भिलाई में स्थित वैगन पार्क का निरीक्षण किया वैगन पार्क रायपुर रेल मंडल में आने वाले नए कर्मचारी अप्रेंटिसशिप क्रू -गार्ड की ट्रेनिंग के लिए निर्मित है। इसमें वैगन के कॉम्पोनेंट एवं कपलिंग और अनकपलिंग की प्रक्रिया के मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण ब्रेकिंग सिस्टम एवं सेंटर बफर कपलिंग सीबीसी के मॉडल भी रखे हैं जिसमें एयर ब्रेक के कन्वेंशनल एयर ब्रेक सिस्टम एवं बीएमबीएस बोगी माउंटेन ब्रेक सिस्टम के माडल को देखा एवं बोगी शॉप में एयर ब्रेक सिस्टम की जानकारी ली एयर ब्रेक सिस्टम में न ब्रेक सिस्टम एवं एस्कॉर्ट बीएमबीएस सिस्टम में हो रहे बदलाव मोडिफिकेशन का निरीक्षण किया एवं जानकारी ली।

पी पी यार्ड में व्हील शॉप का निरीक्षण किया जहां पर वैगंन के व्हील एवं उनके फैलियर होने के कारण बॉक्सएन वैगन के डोर के प्रॉपर ओपनिंग क्लोजिंग को देखा। यार्ड में निरीक्षण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इलेक्ट्रिक लोको शेड में ट्रेक्शन मोटर रोउटर ग्रॉउलर टेस्ट संबंधित टेस्टों को देखा इलेक्ट्रिक लोको में लगने वाले होटल लोड

कन्वर्टर जो ट्रेन के कोच को पावर सप्लाई करने में उपयोग होते हैं उसकी जांच की प्रक्रिया का अवलोकन किया

भारतीय रेलवे में पहली बार इलेक्ट्रिक लोको शेड (ई एल एस) भिलाई को ट्विन लोको मिला है। ट्विन लोगों चितरंजन लोको वर्कशॉप से निर्मित है इस लोको का मेंटेनेंस भिलाई लोको शेड में होता है यह अन्य इलेक्ट्रिक लोगों से अत्यधिक क्षमता वाला लगभग दुगनी क्षमता का लोको है। इलेक्ट्रिक लोको के संचालन में उपयोग होने वाले कूलेंट ऑयल रबर इक्विपमेंट ग्रीस इत्यादि की जांच के लिए निर्मित धातु विज्ञान शाला का भी निरीक्षण किया

भिलाई शेड द्वारा निर्मित ड्रॉप पीट* का निरीक्षण किया ड्रॉप पीट में लोगों के नीचे हिस्से में लगने वाले पाट्र्स चक्का मोटर ट्रांसफार्मर को बदलने का कार्य किया जाता है जिससे ड्रॉप पीट में करने से समय एवं मेन पावर की बचत होती है।

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस जहां इलेक्ट्रिक लोगों के उपयोग में होने वाले इलेक्ट्रॉनिक कार्ड पावर मॉड्यूल एवं विभिन्न प्रकार के सेंसरों का रिपेयरिंग किया जाता है जिससे रेल राजस्व की भी बचत होती है। पी पी यार्ड एवं इलेक्ट्रिक लोको शेड- भिलाई में *महिला कर्मियों* के साथ उनके तकनीकी कार्यों की जानकारी ली यह महिलाएं वेल्डर टर्नर मशीनिस्ट शाहिद सभी तकनीकी कार्यों को परिश्रम के साथ करती हैं महिलाओं को कार्यस्थल पर आने वाली परेशानियां उनको प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। महाप्रबंधक महोदय ने इलेक्ट्रिक लोको शेड में महिला कक्ष की सौगात महिला रेल कर्मियों को दी। पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण भी किया। रायपुर रेल मंडल के पी पी यार्ड एवं इलेक्ट्रिक लोको शेड- भिलाई अधिकारियों के साथ विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की

पहाड़गांव और कुमेली जलप्रपात पर्यटन क्षेत्र होगा विकसित

रायपुर। पहाड़गांव और कुमेली जलप्रपात पर्यटन क्षेत्र होगा विकसित पहाड़गांव और कुमेली जलप्रपात पर्यटन क्षेत्र होगा विकसित मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। सूरजपुर जिले में पर्यटन विकास की दृष्टि से रामानुजनगर जनपद अंतर्गत कुमेली जलप्रपात और सूरजपुर जनपद अंतर्गत पहाड़गांव क्षेत्रों में हुए पूर्व के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। गौरतलब है कि पहाड़गांव सूरजपुर जनपद में अंबिकापुर रोड, सिलफिली के समीप स्थित क्षेत्र है जहां खोखनिया बांध निर्माण से झील का निर्माण हुआ है। पहाड़ों के बीच स्थित झील शांत वातावरण में मनोरम एवं आकर्षक दृश्य निर्मित करता है। स्थल में पर्यटन विकास की संभावना को देखते हुए प्रशासन के द्वारा यहां पहुंच मार्ग के विकास के साथ अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। क्षेत्र के विकास को लेकर पर्यटकों के सुरक्षा, खाद्य पदार्थों और पेयजल की उपलब्धता, हट पैगोडा निर्माण, अपशिष्ट प्रबंधन, शौचालय सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है।

एस.आर.यू में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस...

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन में यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो.एस.के सिंह, कुलसचिव डॉ.सौरभ कुमार शर्मा और मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी राजेश तिवारी ने अपने विचार व्यक्त किये।

प्रो.एस.के सिंह ने आदिवासी लोंगो की समाज एवं प्रकृति को दिए गए योगदान की सरहाना करते हुए बताया कि पृथ्वी का 20 प्रतिशत क्षेत्र अनुसूचित जनजातियों के द्वारा संचालित है और हमारे देश का 8 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में लगभग 90 लाख जनसँख्या आदिवासियों की है इसलिए छत्तीसगढ़ में यूनिवर्सिटी की स्थापना का मुख्य उद्देश्य कम लागत में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इसके साथ प्रो. सिंह ने कहा कि हमें उनके पारम्परिक जीवन और संस्कृति को जीवित रखते हुए जीवन की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयाश करना चाहिए।

सी.पी.आर.ओ राजेश तिवारी ने अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि आदिवासी लोगों का जीवन छत्तीसगढ़ में मुख्यता बस्तर संभाग के जगदलपुर और दंतेवाड़ा क्षेत्र में घने जंगलों के मध्य प्राकृतिक संपदा का उपयोग कर व्यतीत होता है। बैगा जनजाति के लोग हल्वी भाषा और प्रकृति से प्राप्त जड़ी बूटी जैसे हरश्रिंगार आदि का चिकत्सा के लिए उपयोग करते हैं और अपनी संस्कृति से रीतिरिवाज का आज भी सम्मान करते हैं। कुलसचिव डॉ.सौरभ ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को स्मरण करते हुए सभी को शुभकामनायें दी।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा छत्तीसगढ़ी लोकनृत्यों में सुआ, राउत नाचा, करमा, ककसार नृत्य और लोकगीत सोहर सवनाही की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का समन्वय डॉ सत्यज तिवारी और संचालन डॉ. सागर साहू द्वारा किया गया।

हर-घर तिरंगा अभियान में सभी उत्साह से भाग लें: राज्यपाल श्री डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने सभी नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान में उत्साह से भाग लेने की अपील की है। उन्होंने देश व प्रदेश के नागरिकों से आग्रह किया है कि अपने घरों में तिरंगा फहराएं और स्वतंत्रता दिवस को सम्मान व गर्व के साथ मनाएं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'हर घर तिरंगा अभियान' में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके आव्हान पर यह अभियान आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव के तहत शुरू किया गया था। राज्यपाल ने कहा कि यह अभियान, देश भक्ति और एकता की भावना को मजबूत करेगा और राष्ट्रीय पर्व की गरिमा बढ़ाएगा। इस महाअभियान से न केवल तिरंगे के प्रति हमारा व्यक्तिगत जुड़ाव मजबूत होगा बल्कि राष्ट्र निर्माण की भावना भी सुदृढ़ होगी।

वन अधिकार पत्रधारकों कि मृत्यु पर विधिक वारिसानों के नाम पर फौती-नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, त्रुटि सुधार आदि के संबंध में प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

रायपुर। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में राज्य मंत्रि-परिषद द्वारा 9 जुलाई 2024 को लिए गए निर्णय के अनुसार व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र धारकों की मृत्यु-फौत होने पर विधिक वारिसानों के नाम पर काबिज वन भूमि का हस्तांतरण एवं राजस्व-वन अभिलेखों में दर्ज करने और अन्य भूमि संबंधित कार्यवाही के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट के अरपा सभाकक्ष में आयोजित कार्यशाला में कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी और वनमण्डलाधिकारी श्री रौनक गोयल ने वन एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को वन अधिकार मान्यता पत्र धारक का निधन होने पर फौती नामांतरण, विधिक वारिसानों के मध्य वन अधिकार पत्र की वन भूमि का बंटवारा, मान्य वन अधिकारों का सीमांकन एवं वन अधिकार पुस्तिका आदि अभिलेखों में त्रुटि सुधार के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया।

एनएमडीसी को मिला फाइव स्टार रेटेड माइन पुरस्कार

बचेली। 7 अगस्त को नई दिल्ली में खान मंत्रालय भारत सरकार और भारतीय खान ब्यूरो के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुरस्कार समारोह में एनएमडीसी बचेली के बैलाडीला लौह अयस्क खान निक्षेप क्र. 5 को फइव स्टार रेटेड माइन पुरस्कार प्राप्त हुआ। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री माननीय श्री जी किशन रेड्डी के करकमलों से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) एनएमडीसी

लिमिटेड एवं बीआईओएम बचेली कॉम्प्लेक्स के परियोजना प्रमुख श्री बी वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक ने प्राप्त किया।

एनआईटी रायपुर और एमएनएनआईटी इलाहाबाद के इनक्यूबेशन केंद्रों के बीच समझौता ज्ञापन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर हमेशा से ही नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इसी तर्ज पर, संस्थान ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के नेशनल इनिशिएटिव फॉर डेवलपिंग एंड हार्नेसिंग इनोवेशन (निधि) - टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) कार्यक्रम के तहत स्टार्टअप्स को समर्थन और सलाह देने के लिए 'एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप' (हढ्ढक्रक्रस्नढ्ढश्व) नाम से एक गैर-लाभकारी टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर कंपनी की स्थापना की है।

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद (एमएनएनआईटी इलाहाबाद) ने 'इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन हब एमएनएनआईटी फाउंडेशन (आईआईएचएमएफ)' के नाम से कंपनी अधिनियम 2013 की धारा-8 के तहत एक गैर-लाभकारी कंपनी की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य नवाचार, उद्यमिता विकास, स्टार्टअप इनक्यूबेशन, उद्योग सहयोग और नेटवर्किंग को बढ़ावा देना है।

एनआईटीआरआरएफआईई ने 09 अगस्त 2024 को आईआईएचएमएफ के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिसका मुख्य उद्देश्य सह-इनक्यूबेशन, साझा बुनियादी ढांचे के संसाधनों और संयुक्त मेंटरशिप प्रदान करके इनक्यूबेशन संबंधी गतिविधियों और तकनीक आधारित स्टार्टअप्स का समर्थन करना है, जिससे इनक्यूबेशन प्रक्रिया को समृद्ध किया जा सके। इस एमओयू के तहत, दोनों इनक्यूबेशन केंद्र नवाचार, उद्यमिता और इनक्यूबेशन गतिविधियों के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए जानकारी, ज्ञान, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान और संयुक्त रूप से संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और प्रौद्योगिकी-चालित स्टार्टअप्स/उद्यमियों के लिए विषयों पर कार्यक्रमों का आयोजन करने पर सहमत हुए हैं। एमओयू पर एनआईटीआरआरएफआईई के बोर्ड निदेशक डॉ. समीर बाजपेई और आईआईएचएमएफ के बोर्ड निदेशक डॉ. अनुभव रावत ने एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव और एमएनएनआईटी इलाहाबाद के प्रोफेसर डॉ. अनिमेष कुमार ओझा की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. आर. के. त्रिपाठी, डीन (योजना एवं विकास), एनआईटी रायपुर के संकाय प्रभारी इनक्यूबेशन सेल और एनआईटीआरआरएफआईई के अंतरिम सीईओ डॉ. अनुज के. शुक्ला और एनआईटी रायपुर के सहायक कुलसचिव और एनआईटीआरआरएफआईई के अंतरिम प्रबंधक श्री पवन कटारिया भी उपस्थित थे। इस एमओयू पर हस्ताक्षर दोनों संस्थानों की नवाचार, उद्यमिता, इनक्यूबेशन और उद्योग सहयोग में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। यह रणनीतिक साझेदारी दोनों इनक्यूबेशन केंद्रों की वृद्धि और विकास में योगदान करेगी, जिससे स्टार्टअप्स, इनक्यूबीज, छात्र, संकाय और व्यापक उद्योग को लाभ मिलेगा।

राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन (एनएमएल) का 46वां क्षमता निर्माण कार्यक्रम आज से रायपुर में

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाली संस्था भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण एवं राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान द्वारा सार्वजनिक पुस्तकालय कर्मियों के ? लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन (एनएमएल) का 46वां क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 10 से 14 अगस्त, 2024 तक पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 11 अगस्त, 2024 को अपराह्न 03.00 बजे पं. सुंदरलाल शर्मा पुस्तकालय, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में होगा । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से लगभग 60 प्रतिभागी, जोकि मुख्य रूप से सार्वजनिक पुस्तकालय पेशेवर हैं, भाग लेंगे ।

देश के विभिन्न भागों में अब तक राष्ट्रव्यापी 45 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिसमें पुस्तकालय स्वचालन सॉफ्टवेयर, गुणवत्ता बुनियादी ढांचे, संसाधनों, अद्यतन आईसीटी उपकरणों और तकनीकों, उभरते रुझानों, पुस्तकालय संसाधनों के संरक्षण और आधुनिक पुस्तकालय सेवाओं के प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया है । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 1900 से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षित किया जा चुका है ।

क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन (एनएमएल) के तहत घटकों में से एक है, जिसे पुस्तकालयों और सूचना विज्ञान क्षेत्र के विकास पर निरंतर ध्यान देने के लिए राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की सिफारिश के अनुसरण में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा वर्ष 2014 में लॉन्च किया गया था ।

इंडियन बैंक द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। इंडियन बैंक, आंचलिक कार्यालय द्वारा अपनी 118 वी फाऊंडेशन डे के उपलक्ष्य में प्लांट फॉर मदर कैंपियन के अंतर्गत अशोका रत्न परिसर में वृक्षारोपण का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैंक के अंचल प्रबंधक राजेश शरन, उप अंचल प्रबंधक श्री सरोज कांता दलाई जी एवं अन्य अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

जिला जेल परिसर में किया गया वृक्षारोपण

धमतरी। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज जिला जेल धमतरी में फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया। सहायक जेल अधीक्षक एन.के.डहरिया ने बताया कि प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लेते हुए जेल स्टाफ द्वारा कुल एक सौ पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर मुख्य प्रहरी शत्रुघन लाल शर्मा, शिक्षक दानी लाल साहू, प्रहरी देवचंद चौधरी, निरंजन रात्रे, रिपुसूदन निषाद सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

दैनिक विश्व परिवार से जुड़ें...

छत्तीसगढ़ के सबसे विश्वसनीय दैनिक समाचार पत्र एवं वेबसाइट "**दैनिक विश्व परिवार**" से जुड़े और पाए अपनी खबरों को प्रकाशित कराने अवसर।

"**दैनिक विश्व परिवार**" दे रहा है सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में युवा एवं प्रतिभावान पत्रकारों को मौका अपने जिले की हर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कराने का अवसर।

साथ ही छत्तीसगढ़ के समस्त जिले, विधानसभा, ब्लॉक स्तर पर रिपोर्टरों और विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है। अपनी खबरों को "**दैनिक विश्व परिवार**" के माध्यम से जनता तक पहुंचाए। हमसे जुड़ने के लिए निचे दिए गए नंबर पर करे अपनी खबरे साजा।

सम्पर्क : 99810-93065, 62662-63552

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354